दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 355 | ग्वालियर,गुरुवार 05, सितंबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

मैंने अपमान नहीं, तंज किया था, कंगना रनौत पर मेकअप वाली टिप्पणी को लेकर बोले जगत सिंह नेगी

सोमवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा में आपदा पर चर्चा का जवाब देते हुए राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने कंगना रनौत पर एक टिप्पणी की. जगत सिंह नेगी ने चर्चा का जवाब देते हुए मंडी की सांसद कंगना रनौत का जिक्र किया. उन्होंने कंगना रनौत के वक्त पर आपदा प्रभावित इलाके समेज में न पहुंचने को लेकर तंज किया था. जगत सिंह नेगी ने अपने बयान में कहा कि सदन में कहा कि कंगना रनौत देरी से आपदा प्रभावित इलाके में पहुंची. तब तक राज्य सरकार वहां सारा प्रबंध कर चुकी थी.

जगत सिंह नेगी ने क्या कहा था-जगत सिंह नेगी ने कंगना रनौत पर तंज करते हुए कहा-उस वक्त बारिश हो रही थी और अगर वह बारिश में आती, तो उनका मेकअप उतर जाता. इसके बाद पता नहीं चलता कि कंगना यहां आई हैं या फिर उनकी मांड़. जगत सिंह नेगी की टिप्पणी के बाद भारतीय जनता पार्टी ने इस पर

निशाना साधा. साथ ही सोशल मीडिया पर भी जगत सिंह नेगी के इस बयान को लेकर सवाल खड़े किए जाने लगे. अब राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी का इस मामले पर टिप्पणी पर स्पष्टीकरण सामने आया है.

मंत्री जगत सिंह ने दी सफाई-शिमला में भाजपा सांसद कंगना रनौत के लिए अपनी ड़मेकअपड़ टिप्पणी पर हिमाचल प्रदेश के मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा- ड़भाजपा के लोग हर बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए जाने जाते हैं. मैंने कंगना का अपमान नहीं किया. यह एक तंज था कि वह ऐसी आपदा के समय स्थान का दौरा नहीं कर रही हैं.इसके बजाय ट्वीट कर रही हैं कि विधायक और अधिकारी उन्हें बता रहे हैं कि हिमाचल में मौसम खराब है, रेड और ऑरेंज अलर्ट है. तो रेड और ऑरेंज अलर्ट के कारण स्थान का दौरा न करना और संसदीय क्षेत्र में मौतें होने पर अपनी जिम्मेदारी से बचना, उनकी संवेदनशीलता कहां है? तो, यह एक तंज था. मैंने हमेशा महिलाओं का सम्मान किया है, यह महिलाओं का अपमान नहीं था

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती राव को BJP से टिकट, भव्य बिश्नोई पर भी भरोसा

बीजेपी ने बुधवार (4 सितंबर) को हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने 67 प्रत्याशियों के नामों की पहली लिस्ट जारी की. इसमें केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी कुमारी आरती सिंह राव और हरियाणा के पूर्व सीएम भजनलाल के पोते भव्य बिश्नोई का नाम भी शामिल है. बीजेपी ने अहिरवाल समाज के बड़े नेता माने जाने वाले केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती राव को महेंद्रगढ़ जिले की अटेली विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है. वहीं, भव्य बिश्नोई को आदमपुर विधानसभ सीट से टिकट दिया गया है.

हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने अटेली से मौजूदा विधायक सीताराम का टिकट काट दिया और केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती राव पर भरोसा जाताया है. ऐसा माना जाता है कि आरती राव की राजनीति में सक्रिय तौर से एंट्री कराने के लिए राव इंद्रजीत सिंह ने पिछले चुनावों में भी प्रयास किया था लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया था.

कौन हैं कुमारी आरती सिंह राव-आरती राव ने पिछले कुछ महीनों में अहीरवाल इलाके की अटेली विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया था. वो अहीरवाल इलाकों में अपने पिता राव इंद्रजीत सिंह के चुनाव प्रबंधन का काम भी देखती रही हैं. इस बार लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान उन्होंने गुरुग्राम सीट पर अपने पिता के लिए कई इलाकों में जाकर चुनाव प्रचार भी किया था.कुमारी आरती सिंह राव शूटिंग खिलाड़ी रही हैं. उन्होंने साल 2001 और 2012 में शूटिंग वर्ल्ड कप फाइनल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था. उन्होंने 4 एशियाई चैंपियनशिप के मेडल भी जीते हैं. उन्होंने साल 2017 में शूटिंग से संन्यास लिया था और तब से वो राजनीति में दिलचस्पी ले रही हैं.

कौन हैं भव्य बिश्नोइ-भव्य बिश्नोई हरियाणा के पूर्व सीएम भजनलाल के पोते हैं.

अलीगढ़ में डिफेंस कॉरिडोर योजना से किसान हुए करोड़पति, एक दिन में 200 बीघा जमीन का बैनामा

अलीगढ़ में सरकार की योजना के तहत लाई गई कंपनियों का सीधा लाभ अलीगढ़ की जनता को मिलता हुआ नजर आ रहा है, जिसके चलते अलीगढ़ में डिफेंस कॉरिडोर से कई परिवारों में अब किसान करोड़पति हो चुके हैं, जिसको लेकर बताया जाता है कि सरकार की तरफ से जो योजनाएं लाई जा रही है, उसका सीधा मुनाफा किसानों को हो रहा है.दरअसल, पूरा मामला डिफेंस कॉरिडोर परियोजना का है, जहां द्वितीय चरण के लिए जिला प्रशासन की तरफ से जीटी रोड पर जुलूपुर सिंहौर एवं जसरथपुर में जमीन अधिग्रहण का कार्य तेज कर दिया है. सरकार की परियोजना के तहत तहसील कोल के दो गांव में निजी किसानों की 81.0303 हेक्टेयर भूमि को समझौते के आधार पर और 6.8577 हेक्टेयर ग्राम समाज की भूमि को क्रय एवं पुर्नग्रहण करते हुए 87.8880 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाना प्रस्तावित है.

किसानों के चेहरे देखने को मिली मुस्कान-इसको लेकर अधिकारियों की तरफ से अधिकरण प्रक्रिया को तेज करते हुए जमीन अधिग्रहण किया जा रहा है, जिसके चलते आज किसानों को उसका सीधा लाभ मिला है. साथ ही किसानों के खाते में रुपए सीधे ट्रांसफर किए गए हैं. करोड़ों रुपए सीधे मिलने के बाद किसानों के चेहरे पर गजब की मुस्कान देखने को मिल रही है.

क्या कहते हैं अधिकारी-एडीएम प्रशासन पंकज कुमार ने बताया कि डिफेंस कॉरिडोर में 20 करोड़ की धनराशि से 28 किसानों से एक दिन में लगभग 200 बीघा (11.7270 हेक्टेयर) भूमि का बैनामा परियोजना के पक्ष में किया गया है. बैनामा कराने के बाद किसानों के बैंक खाते में 07 दिन के अंदर संपूर्ण धनराशि पहुंच रही है. एक दिन में लगभग 200 बीघा भूमि का बैनामा कराया जाना परियोजना को अवश्य ही गति प्रदान करेगा.

विनेश फोगाट के चुनाव लड़ने की अटकलों पर मनोहर लाल खट्टर बोले

दिग्गज पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के हरियाणा विधानसभा चुनाव में हाथ आजमाने की अटकलों पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि वे राजनीतिक चक्र में फंसे थे.हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर ने कहा, उस समय (पहलवानों का आंदोलन) उसे कोई नहीं कह सकता था कि वे राजनीति से प्रेरित थे, लेकिन अब हम कह सकते हैं कि वे राजनीति से प्रेरित थे. वे टिकट की मांग कर रहे हैं और पार्टियां भी उन्हें टिकट देने जा रही है. ये साफ हो चुका है कि वो आंदोलन राजनीति से प्रेरित थादरअसल, आज (बुधवार, 6 सितंबर) ही फोगाट और पूनिया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की है. दोनों खिलाड़ियों को कांग्रेस टिकट दे सकती है. न्यूज़ एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, फोगाट को जुलाना और पूनिया

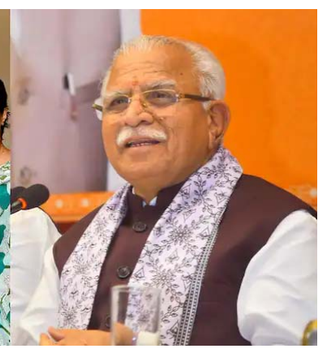

को बादली सीट से उम्मीदवार बनाए जाने पर चर्चा हो रही है.

विनेश फोगाट ने रचा था इतिहास-बजरंग पूनिया टोक्यो ओलंपिक खेलों के कांस्य पदक विजेता हैं. वहीं विनेश फोगाट ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला पहलवान बनीं थी. हालांकि उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग के वजन में लगभग 100 ग्राम वजन अधिक पाए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया.

इसके बाद उन्होंने खेल से संन्यास की घोषणा की. पेरिस से लौटने के बाद विनेश फोगाट का भव्य स्वागत हुआ. इस कार्यक्रम में कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा शामिल हुए. इसके बाद फोगाट ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दीपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ बैठकें की. इसी के बाद विधानसभा टिकट मिलने के आसार बढ़ गए.दोनों ही खिलाड़ी 2023 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्कालीन प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन में अन्य खिलाड़ियों के साथ शामिल हुए थे.

हरियाणा में BJP की लिस्ट जारी होते ही बड़ा झटका, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का इस्तीफा

हरियाणा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बीजेपी उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होते ही पार्टी को बड़ा झटका लगा है. हरियाणा बीजेपी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुखविंदर श्योराण ने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया है. बीजेपी ने बुधवार (4 सितंबर) को पहली लिस्ट में 67 उम्मीदवारों के नामों की सूची जारी की है.सुखविंदर श्योराण बवानी खेड़ा के पूर्व विधायक रह चुके हैं और मौजूदा वक्त में वो हरियाणा बीजेपी किसान मोर्चा के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे, लेकिन बुधवार को जैसे ही बीजेपी की ओर से प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गई, उन्होंने इस्तीफा की घोषणा की.उन्होंने हरियाणा बीजेपी के अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली को चिट्ठी लिखकर इस्तीफे की घोषणा की. उन्होंने ये चिट्ठी प्रदेश के सीएम नायब सिंह सैनी, संगठन मंत्री और किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को भी भेजी है.बता दें कि बीजेपी ने हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए बुधवार को 67 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की. हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लाडवा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है जबकि हाल ही में पार्टी में शामिल हुए कई लोगों को टिकट दिए गए हैं. बीजेपी की ओर से केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद कई दौर की मशक्कत के बाद यह सूची जारी की गई है.हरियाणा बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ को बादली से और पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल विज को अंबाला कैंट से उम्मीदवार बनाया गया है.हाल ही में बीजेपी में शामिल हुए देवेंद्र सिंह बबली, संजय कबलाना और श्रुति चौधरी क्रमशः टोहाना, बेरी और तोशाम से चुनाव लड़ेंगे. केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती सिंह अटेली से चुनाव लड़ेंगी. कैप्टन अभिमन्यु, कुलदीप बिश्नोई के बेटे भव्य बिश्नोई और पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल के नाम भी इस सूची में शामिल हैं. राज्य में विधानसभा चुनाव 5 अक्टूबर को होने हैं और मतों की गिनती 8

69,000 भर्ती मामले पर अभ्यर्थियों को अखिलेश यादव ने लिखी चिट्ठी, एक तीर से साधे दो निशाने

69,000 शिक्षक भर्ती मामले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभ्यर्थियों को चिट्ठी लिखी है. सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने योगी सरकार पर जुबानी हमला बोला है. अखिलेश यादव ने एक तीर से दो निशाने साधे हैं. अखिलेश ने इस चिट्ठी के जरिए अनारक्षित और आरक्षित वर्ग, दोनों वर्गों के अभ्यर्थियों को साधने की कोशिश की है.कन्नौज सांसद ने कहा कि प्रिय शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों 69,000 शिक्षक भर्ती मामले में आप बरसते पानी में उनके सामने अपना स्वास्थ्य ख़राब न करें, जिनकी आँख का पानी मर चुका है. सच तो ये है कि भाजपा न पहले नौकरी देने के पक्ष में थी, न अब है. नयी सूची निकालने में देरी, दरअसल प्रभावित होने वाले दोनों पक्षों के साथ एक छल है. इससे चयनित होने वाले अभ्यर्थियों के साथ ही, जो निकाले जाएँगे उन सबका भी मानसिक उत्पीड़न निरंतर बढ़ रहा है.अखिलेश यादव ने कहा कि आप दोनों पक्ष ये मानकर चलें कि ये सरकार किसी के साथ भी न्याय नहीं करनेवाली. कुरेद-कुरेदकर दूसरों की कमियाँ ढूँढकर बुलडोज़र चलवाने वाले भाजपाई अपनी सरकार की इतनी बड़ी धांधली के लिए किसका घर गिरवाएंगे? आप देखियेगा ये नियुक्तियाँ या तो सरकार की तरफ़ से हीलाहवाली से लड़े जानेवाले मुक़दमों शिकार हो जाएँगी या फिर लालफ़ीताशाही का. जिनका जीवन दान-चंदे व भ्रष्टाचार के बल पर चलता हो, वो क्या जानें कि एक घर-परिवार के लिए हर महीने मिलनेवाले ईमानदारी से कमाए वेतन का क्या महत्व है.

आपसे निवेदन है कि-सपा नेता ने लिखा कि एक बार फिर निवेदन है कि आप अपने घर, परिवार, माता-पिता, बच्चों व जनता को अपने साथ लेकर ये संघर्ष करें, जिससे शायद इन हृदयहीन-असंवेदनशील भाजपाइयों में ये डर पैदा हो कि वो जहाँ जाएंगे, वहाँ उन्हें विरोध झेलना पड़ेगा, तो हो सकता है, वो कूटनीति छोड़कर सच में दोनों पक्षों को नौकरी दे पायें. यही सच्चा और सही इंसाफ़ होगा. ध्यान रखें कि भाजपा सरकार दोनों पक्षों को आमने-सामने करके, आपके आंदोलन को अंदर से कमज़ोर करने व तोड़ने की अपनी परंपरागत नीति में सफल न हो.

यूपी के पूर्व सीएम ने लिखा इसलिए सलाह है कि एक नयी तरह की एकजुटता दिखाएं और सफलता पाएं! ऐसे लोगों से उम्मीद रखना बेमानी है, 'जिनकी' आँख का मर गया पानी है आपके संघर्ष में आपके साथ!

69,000 भर्ती मामले पर अभ्यर्थियों को अखिलेश यादव ने लिखी चिट्ठी, एक तीर से साधे दो निशाने

69,000 शिक्षक भर्ती मामले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभ्यर्थियों को चिट्ठी लिखी है. सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने योगी सरकार पर जुबानी हमला बोला है. अखिलेश यादव ने एक तीर से दो निशाने साधे हैं. अखिलेश ने इस चिट्ठी के जरिए अनारक्षित और आरक्षित वर्ग, दोनों वर्गों के अभ्यर्थियों को साधने की कोशिश की है.कन्नौज सांसद ने कहा कि प्रिय शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों 69,000 शिक्षक भर्ती मामले में आप बरसते पानी में उनके सामने अपना स्वास्थ्य ख़राब न करें, जिनकी आँख का पानी मर चुका है. सच तो ये है कि भाजपा न पहले नौकरी देने के पक्ष में थी, न अब है. नयी सूची निकालने में देरी, दरअसल प्रभावित होने वाले दोनों पक्षों के साथ एक छल है. इससे चयनित होने वाले अभ्यर्थियों के साथ ही, जो निकाले जाएँगे उन सबका भी मानसिक उत्पीड़न निरंतर बढ़ रहा है.अखिलेश यादव ने कहा कि आप दोनों पक्ष ये मानकर चलें कि ये सरकार किसी के साथ भी न्याय नहीं करनेवाली. कुरेद-कुरेदकर दूसरों की कमियाँ ढूँढकर बुलडोज़र चलवाने वाले भाजपाई अपनी सरकार की इतनी बड़ी धांधली के लिए किसका घर गिरवाएंगे? आप देखियेगा ये नियुक्तियाँ या तो सरकार की तरफ़ से हीलाहवाली से लड़े जानेवाले मुक़दमों शिकार हो जाएँगी या फिर लालफ़ीताशाही का. जिनका जीवन दान-चंदे व भ्रष्टाचार के बल पर चलता हो, वो क्या जानें कि एक घर-परिवार के लिए हर महीने मिलनेवाले ईमानदारी से कमाए वेतन का क्या महत्व है.

आपसे निवेदन है कि-सपा नेता ने लिखा कि एक बार फिर निवेदन है कि आप अपने घर, परिवार, माता-पिता, बच्चों व जनता को अपने साथ लेकर ये संघर्ष करें, जिससे शायद इन हृदयहीन-असंवेदनशील भाजपाइयों में ये डर पैदा हो कि वो जहाँ जाएंगे, वहाँ उन्हें विरोध झेलना पड़ेगा, तो हो सकता है, वो कूटनीति छोड़कर सच में दोनों पक्षों को नौकरी दे पायें. यही सच्चा और सही इंसाफ़ होगा. ध्यान रखें कि भाजपा सरकार दोनों पक्षों को आमने-सामने करके, आपके आंदोलन को अंदर से कमज़ोर करने व तोड़ने की अपनी परंपरागत नीति में सफल न हो.

यूपी के पूर्व सीएम ने लिखा इसलिए सलाह है कि एक नयी तरह की एकजुटता दिखाएं और सफलता पाएं! ऐसे लोगों से उम्मीद रखना बेमानी है, 'जिनकी' आँख का मर गया पानी है आपके संघर्ष में आपके साथ!

वृद्धावस्था स्वास्थ्य शिविर आज सेंथरा में

राष्ट्रीय आयुष मिशन आयुष विभाग मध्य प्रदेश शासन के अंतर्गत आज बृहद, स्तर पर

दिनांक 05/09/2024 दिन गुरुवार को आयुष मंत्रालय मध्य प्रदेश शासन के अंतर्गत वृद्धावस्था जन निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जायेगा, जिसमें वृद्धावस्था जन समस्त रोगों जैसे सन्धिवात (जो?ो में दर्द), आमवात, गठियावात, पेट से सम्बंधित बीमारी (भूख ना लगना, एसिडिटी, पेट में कब्जी होना), अर्श (बवासीर), भगन्दर रोग, श्वास रोग, एलर्जी, त्वचा सम्बंधित रोग, मानसिक रोग, शरीर में थकान होना, कमजोरी होना, नींद ना आना, डायबिटिज, ब्लड प्रेशर एवं मौसमी बीमारी खांसी, जुकाम, बुखार आदि रोगों का चिकित्सा परामर्श दिया जायेगा।उपरोक्त जानकारी कार्यकम आयोजक एम डी आयुर्वेद भानुप्रताप सिंह तोमर ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य वृद्ध जनों को गंभीर बीमारियों से राहत प्रदान करना है अतः क्षेत्रीय लोगों से अपील है कि अपने , परिचय , असहाय वृद्ध जनों को इस शिविर में पहुंच कर परामर्श प्राप्त कर सकते हैं।

स्थान- शासकीय आयुर्वेद औषधालय (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) सेंथरा अहीर पोरसा जिला मुरैना.....

डॉ भानु प्रताप सिंह तोमर
एम.डी (आयुर्वेद), CRAV (कायचिकित्सा)
?? - 9907325236

जनसमस्याओं के विरोध में कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन कर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार,जिला शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ राधेश्याम शर्मा के नेतृत्व में किसानों की आर्थिक परेशानियों,फसलों के भाव,बिजली दरों में बेहताशा वृद्धि, महिलाओं, बालिकाओं पर दुराचार, खस्ताहाल सड़के,आजा,अजजा,अल्पसंख्यक वर्गों पर अत्याचार, शासकीय अस्पताल में व्यवस्थाओं व स्थानीय मुद्दों को लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतिमा गोल मार्केट पर विशाल धरना प्रदर्शन किया धरना प्रदर्शन के बाद तहसीलदार भिंड को ज्ञापन भी सौपा गया ।उक्त कार्यक्रम में बोलते हुए शहर जिला अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम शर्मा ने कहा भिंड जिले में किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद बीज नहीं मिल रही है खाद बीज की कालाबाजारी हो रही है जिससे किसान आर्थिक रूप से परेशान है। भारी वर्षा के कारण दलहन की फासले खराब हो गई है और सरकार द्वारा किसानों की फसलों को 10 वर्ष पुरानी भाव में आज भी खरीद रही है और किसानों को भारी भरकम बिल दिए जा रहे हैं और बिल न जमा करने पर उनके मीटर काटने से लेकर

उनकी मोटर पंप तक जप्त करने की कार्रवाई की जा रही है, जो कि न्याय संगत नहीं है।धरना प्रदर्शन में बोलते हुए नगर अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी ने कहा की मध्य प्रदेश में सड़के खस्ता हाल हालत में है जो कि भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है जगह-जगह गड्ढे होने से दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है। जिससे कई लोगों की जान जा रही है और मरम्मत में करोड़ों का भ्रष्टाचार हो रहा है मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था की हालत भी बहुत खराब है। महिलाओं और बालिकाओं से दुराचार के मामले बढ़ रही है बलात्कार और यौन शोषण में मध्य प्रदेश नंबर वन पर है दूसरी ओर मध्य प्रदेश सरकार द्वेषपूर्ण कार्रवाई कर लोगो के घरों को बुलडोजर से तोड़ रही है।धरना प्रदर्शन को प्रमुख रूप से डॉ. राधेश्याम शर्मा,संतोष त्रिपाठी,बाबा भगवान दास सेथिया,रेखा भदौरिया, रामहर्ष सिंह कुशवाह,संदीप मिश्रा, राम अवतार भदोरिया,बलराम जाटव, दर्शन सिंह तोमर,प्रमोद दीक्षित, कुलदीप भारद्वाज,हिम्मत सिंह, हरिऔध,शंकर जैन,राहुल सिंह कुशवाह,मोहम्मद इरफान गम्मू , राजवीर खन्ना,आनंद शाक्य,वकील खान,रामरतन यादव,गजेंद्र यादव, संजय यादव,स्मिता शर्मा,विक्रम सिंह राजावत राजू लोधी संजीव बरुआ अनीस कुरैशी,सूरजपाल सिंह,प्रदीप भदोरिया,अजय शर्मा,सुरेंद्र सिंह सेंगर, विनोद जाटव वीर प्रकाश श्रीवास्तव सीमा शर्मा,अनिरुद्ध त्रिपाठी,गोविंद राजावत,सुनीता दोहरे,मनोज जैन मामा,रागनी चौहान,पिंटू शर्मा,सत्येंद्र सिंह भदोरिया,वीरेंद्र यादव आदि कांग्रेस जन शामिल हुए।

मातृ मृत्यु एवं शिशु दर कम करने किया नया नवाचार प्रत्येक गर्भवती महिला के घर पर लगाया जाएगा

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा एवं स्वास्थ्य विभाग खरगोन के द्वारा एक नया नवाचार खरगोन जिले में लाया गया। जिसमें अंतरराष्ट्रीय संस्था जपाइगो द्वारा तकनीकी सहयोग से जिले में बीपीसीआर (जन्म की तैयारी और जटिलता का प्रबंधन) कैलेंडर बनाया गया है। यह कैलेंडर प्रत्येक गर्भवती महिला के घर पर लगाया जाएगा। जिसमें गर्भवती महिला एवं उनके परिवार को बता रहे कि गर्भावस्था एवं प्रसव के दौरान हमें किस अस्पताल में जाना है। इस कैलेंडर में आशा, एनएम, अस्पताल का नाम अंकित रहेगा, ताकि गर्भवती महिलाओं को जब भी प्रसव पीड़ा हो तो वह इनसे संपर्क कर सके। साथ ही होने वाली जटिलताओं एवं उच्च जोखिम होने पर सही स्वास्थ्य संस्था पर पहुंच सके। जिससे जिले में मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सकेगा। मुख्य उद्देश्य यह है कि प्रत्येक गर्भवती महिला को सभी प्रकार की जानकारी प्राप्त कर स्वास्थ्य सुविधाओ का लाभ ले सके।

स्वास्थ्य संस्थाओ में समस्त चिकित्सा कर्मियों के लिए एक सुरक्षित कार्य वातावरण तैयार करने जिला स्वास्थ्य संस्थान सुरक्षा समिति का गठन

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

आरजी, कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, कोलकाता में हुई दुखद घटना के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुक्रम एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा जारी दिशानिर्देश के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा ने खरगोन जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में समस्त चिकित्सा कर्मियों के लिए एक सुरिक्षत कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए जिला स्वास्थ्य संस्थान सुरक्षा समिति का गठन किया है कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक खरगोन इस समिति के सदस्य प्रशासनिक अधिकारी रहेंगें। इस समिति में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, खरगोन, अनुविभागीय दण्डाधिकारी खरगोन, कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग खरगोन, कार्यपालन यंत्री, म.प्र. विविकंप्रालि खरगोन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी खरगोन, सिविल सर्जन, जिला अस्पताल खरगोन, वरिष्ठ महिला चिकित्सक, जिला अस्पताल खरगोन एवं वरिष्ठ मेट्रन जिला चिकित्सालय खरगोन को सदस्य बनाया गया है। इस समिति के प्रशासनिक अधिकारी अध्यक्ष भी रहेंगे तथा इस समिति में उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य सदस्यों को भी नामांकित कर सकते है।

खरगोन पुलिस का मानवीय चेहरा आया सामने

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

रात्री मे रोड पर बैठे पशुओ को गले मे बांधे रिफ्लेक्टर रात्री मे रिफ्लेक्टर की मदद से वाहन चालकों को दिख जाते है पशु रात्री मे वाहन चलाने वाले को दुर्घटना व पशुओ को वाहन की चपेट मे आने दोनों से होगी सुरक्षा गत रात्री चौकी जैतापुर क्षेत्रांतर्गत रात्री गश्त के दौरान चौकी प्रभारी जैतापुर उनि सुदर्शन कलोसिया व चौकी के स्टाफ के द्वारा रात्री मे रोड पर बैठे पशुओ को गले मे रिफ्लेक्टर बांधे है । रोड पर बैठे पशुओ को गले मे रिफ्लेक्टर बांधने से रात्री मे रिफ्लेक्टर की मदद से सड़क पर बैठे पशु दिखाई दे जाते है व दुर्घटना की संभावना कम हो जाती है ।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने जताया शोक

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

खरगोन। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्रसिंह राठौर ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पूज्य पिताजी पूनमचंद यादव तथा केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान के पूज्य काकाजी चैनसिंह चौहान के निधन पर शोक व्यक्त किया है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश भावसार ने बताया जिलाध्यक्ष श्री राठौर ने पूनमचंद जी यादव की अंत्येष्टि में शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पूज्य पिताजी पूनमचन्द यादव तथा केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान के काकाजी चैनसिंह चौहान का निधन अत्यंत दुखद है। श्री राठौर ने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को श्री चरणों में स्थान प्रदान कर इस दुःख की घड़ी में परिजन को वज्रपात को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

ग्वालियर स्टेशन पर बिना टिकट/अनाधिकृत यात्रा करने वालों के विरूद्ध चलाया गया विशेष जांच अभियान

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । मंडल रेल प्रबंधक झाँसी श्री दीपक कुमार सिन्हा के निर्देशानुसार व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के निर्देशन मे सहायक वाणिज्य प्रबंधक पंकज त्रिपाठी के नेतृत्व में बिना टिकट यात्रियों की रोकथाम हेतु दिनांक -04.09.2024 को ग्वालियर स्टेशन से गुजरने वाली लगभग 40 रेलगाड़ियों की जांच की गयी तथा बिना टिकट यात्रा , अनियमित यात्रा, बिना बुक लगेज, गंदगी ड़ैलाने वालों के विरुद्ध

ग्वालियर स्टेशन पर विशेष किला

बंदी जाँच की गई, जिसके परिणामस्वरूप जांच के दौरान बिना टिकट, अनियमित यात्रा करने वाले, गंदगी फैलाने/धूम्रपान करने वाले कुल 72 यात्रियों से 41950/- रुपये का जुर्माना वसूल किया गया ।

उक्त जांच अभियान में मुख्य टिकट निरीक्षक श्री आर के छारी, रामकेश मीना एवम श्री रामनिवास मीना द्वारा अहम् भूमिका निभायी गयी ।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अमन वर्मा ने बताया कि इस प्रकार की जांच मंडल में निरंतर कराई जा रही हैं, जिससे बिना टिकट यात्रा ,अनियमित यात्रा ,बिना बुक लगेज, गंदगी ड़ैलाने वालों यात्रियों पर रोक लगाई जा सके । अतः यात्रियों से अनुरोध है कि वह उचित यात्रा टिकट लेकर एवम निर्धारित सीमा से अधिक सामान को बुक कराकर ही यात्रा करे तथा रेल परिसर में गंदगी न फैलाए ।

संविधान ज्ञान प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़ चढ़ कर लिया भाग,500 प्रतिभागी हुए सम्मिलित

भितरवार। संयुक्त मोर्चा ओबीसी एससी एसटी वर्ग के तत्वावधान में संविधान ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें स्कूली बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया प्रतियोगिता में 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार वितरण किया जाएगा संविधान ज्ञान प्रतियोगिता के संबंध में संबंध में जानकारी देते हुए संविधान ज्ञान प्रतियोगिता के वरिष्ठ संयोजक शंकर सिंह गुर्जर, संयोजक बृजेन्द्र सिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि संविधान ज्ञान प्रतियोगिता के आयोजन का उद्देश्य एससी एसटी ओबीसी अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों को संविधान की जानकारी देना और मौलिक अधिकारों का ज्ञान व एतिहासिक महापुरुषों के जीवन परिचय से अवगत कराना,व संविधान के प्रति जागरूक करना है प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रजातंत्र में जनता के अधिकार एवं भारतीय संविधान के महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी से अवगत कराना था उन्होंने बताया कि पिछड़े वर्गों के हक अधिकारों के लिए जीवनपर्यंत संघर्ष करने वाले क्रांतिवीर नशा मुक्ति आंदोलन के प्रणेता शिक्षा विहीन बहुजन बच्चों में शिक्षा की अलख जगाने वाले कर्मवीर शिक्षक दिवंगत सुरेन्द्र सिंह रावत राष्ट्रीय मैराथन धावक की स्मृति में पिछड़ा वर्ग (एससी एसटी ओबीसी अल्पसंख्यक) के विद्यार्थियों के लिए संविधान ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है

पब्लिक कान्वेंटहायर सेकेंडरी स्कूल में ग्वालियर

उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित स्वावलंबी भारत अभियान

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर जिले के पब्लिक कान्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता - श्रीमती सोमवती झा (स्कूल की अध्यापिका) जी द्वारा की गई, मुख्य वक्ता के रूप में श्री लोकेन्द्र सिंह राजपूत (स्वदेशी जागरण मंच ग्वालियर जिले के सह संयोजक) जी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन श्री धर्मेंद्र सिकरवार जी नगर संयोजक हाजीरा द्वारा किया गया, स्कूल के विद्यार्थी द्वारा किए जा रहे स्वरोजगार के लिए सभी विद्यार्थियों के समक्ष सम्मानित किया गया साथ हीं कार्यक्रम में प्रियंका निराला जी महिला सयोजक ग्वालियर , श्री लवकुश शर्मा जी नगर संयोजक अंबेडकर नगर, जिला सह संपर्क प्रमुख श्री अभय शर्मा जी सहित स्कूल के शिक्षक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना, जल ही जीवन है योजनाओं की प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर मुख्य विकास अधिकारी, देवरिया ने किया रवाना

सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाकर लाभ दिलाना मेरी कोशिश है- प्रत्युष पाण्डेय

देवरिया/भारत सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना, जल ही जीवन है योजनाओं के तहत प्रत्येक ग्राम सभाओं, नगर पालिका, नगर पंचायत में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी के तहत आज देवरिया जनपद के विकास भवन प्रांगण में मुख्य विकास अधिकारी, प्रत्युष पाण्डेय, आईएएस और क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी, जय सिंह, आईआईएस ने हरी झंडी दिखाकर आम जन मानस में जागरूकता के लिए प्रचार वाहन को रवाना किया । यह प्रचार वाहन देवरिया जिले के प्रत्येक ग्राम सभाओं और नगर पंचायत में जाकर आम जनमानस को जागरूक करने का काम करेगी।इसके माध्यम से बताया जाएगा की प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना के तहत सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी का लाभ लेकर अपने घरों में सौर ऊर्जा इकाई लगाकर मुफ़्त में बिजली का लाभ लिया जा सकता है। इसके साथ ही साथ जल ही जीवन है मिशन के तहत किस तरह से पानी की बचत किया जाए और

किस तरह से स्वच्छ पानी का प्रयोग कर स्वस्थ रहा जा सकता है, इसकी जानकारी दी जाएगी। प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाने के बाद मुख्य विकास अधिकारी ने कहा है कि यह प्रचार वाहन देवरिया जिले के प्रत्येक ग्राम सभा और नगर पंचायत में गोष्ठी कर, कैंप लगाकर प्रचार प्रचार करेंगी और जनमानस को जागरूक करने का काम करेगी। हमारा प्रयास है की सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी जन जन तक पहुंचाकर उसका लाभ दिलाया जाएगा।एग्री स्टारेक्स बिजनेस वर्ल्ड प्रा0लि0, उत्तर प्रदेश और एसएनपीके, ट्रेडर्स प्रा0 लि0, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना का प्रचार- प्रसार वाहन के माध्यम से भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की उक्त योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने और आम जन को इसका लाभ दिलाने के लिए नामित किया गया है।माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के इस पायलट प्रोजेक्ट और योजनाओं को प्रदेश सरकार के कार्य योजना के अनुरूप धरातल पर उतारने की पूरी कोशिश करेगी।इस अवसर पर परियोजना अधिकारी, यूपी, नेडा, संजय तिवारी, अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग, वीके सिंह, प्रचार वाहन समन्वयक, मुनीब कुमार, नंदकिशोर, कृष्ण गोपाल, जितेंद्र मौर्या, संजीव यादव,साहित जिले के कई प्रशासनिक अधिकारी/कर्मचारी के साथ-साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शासकीय प्राथमिक शाला मरौदा में उल्लास साक्षरता केन्द्र का शुभारंभ

जिलाधीश श्रीमान दीपक अग्रवाल द्वारा किया गया। उनके द्वारा सभी स्वंयसेवी शिक्षकों को किताब पेन देकर व टोपी पहनाकर उनके कार्य के लिए शाबाशी दिए साथ में असाक्षरों को भी किताब देकर उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित किए। जिलाधीश महोदय द्वारा ग्राम पंचायत जनप्रतिनिधि और जनपद सदस्य, उपस्थित पालक ,शिक्षक, स्वयं सेवी शिक्षक,ग्राम सचिव और बच्चों को उल्लास शपथ दिलवाई गई। जिला शिक्षा अधिकारी श्री सारस्वत सर जी द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के बारे में बताया गया कि यह कार्यक्रम 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों को सशक्त और सक्षम बनाना है। उन्होंने यह भी बताया कि यह न केवल पढ़ने लिखने और अंकगणित की समझ बनाता है बल्कि महत्वपूर्ण जीवन कौशल, व्यवसायिक कौशल शिक्षा भी प्रदान करता है इसलिए हमें स्वयं और परिवार के सदस्यों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम का उद्देश्य वाचन डी पी ओ श्री बुद्ध विलास द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम में विकास खंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी गरियाबंद,बी पी ओ श्री वैंकटेश साहू, ग्राम प्रभारी श्रीमती ईश्वरी सिन्हा, संकुल समन्वयक श्री लोकेश्वर सोनवानी, जनपद सदस्य श्रीमती रमसिला चंद्रवंशी सचिव श्री अनुज ठाकुर और समस्त शिक्षक स्टाफ पालक गण और बच्चे उपस्थित थे।

संपादकीय

आत्मघात की त्रासदी

यह किसी राष्ट्र के लिये शर्मसार करने वाली स्थिति है कि उसके युवा बड़ी संख्या में आत्महत्या में मुक्ति की राह तलाश रहे हैं। हाल के दिनों में छात्रों की बढ़ती आत्महत्याएं विचलित करने वाली हैं। सबसे दुखद यह है कि छात्रों की आत्महत्या की संख्या किसानों की आत्महत्या से ज्यादा हो गई है। हालांकि आत्महत्या के मामले में किसी भी वर्ग से तुलना नहीं की जा सकती है, लेकिन सुनहरे भविष्य के सपने देखने वाली संभावना का असमय अंत पीड़ादायक है। ऐसे में देश के नीति–नियंताओं को इस भयावह संकट का तात्कालिक समाधान तलाशना चाहिए। हाल ही में आईसी–3 संस्थान की रिपोर्ट इस भयावह संकट पर प्रकाश डालती है। रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2021 के दशक में देश के 13,089 छात्रों ने आत्महत्या की। जो कि पिछले दशक की तुलना में 57 फीसदी अधिक है। जो निश्चय ही बड़ी चिंता का विषय है। दरअसल, लगातार बढ़ते शैक्षणिक दबाव, जबरन कैरियर विकल्प देने, मानसिक स्वास्थ्य संघर्ष और वित्तीय बोझ युवाओं को निराशा के गर्त में धकेल रहा है। आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के आंकड़ों से स्थिति की गंभीरता पता चलता है। जहां वर्ष 2019 और 2023 के बीच 69 छात्रों ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। पिछले वर्षों में कोटा के कोचिंग संस्थानों में युवा छात्रों के जीवन समाप्त करने का ग्राफ बढ़ा है। इन बेहद कष्टकारी आंकड़ों पर मंथन करके नीति–नियंताओं को युवा मन की आकांक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए। निस्संदेह, यह एक हकीकत है कि देश में युवाओं को योग्यता अनुसार रोजगार के अवसर मिलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन घोषणावीर नेतृत्व इस हकीकत को गंभीरता से नहीं ले रहा है। नौकरी के अभाव में हताशा में जीने वाला युवा एक दमघोंटू माहौल में जी रहा है। सीमित संख्या में घोषित होने वाली नौकरियों के लिए लाखों बेरोजगारों के आवेदन संकट का चित्र उकेरते हैं। सरकारों को वास्तविक रोजगार अभियान चलाकर युवाओं का मनोबल बढ़ाना चाहिए। घटते रोजगार के अवसर युवाओं में हताशा पैदा कर रहे हैं। जिसके कालांतर आत्मघाती परिणाम सामने आते हैं। निस्संदेह, परिवार के लोगों की भी बच्चों के कैरियर में मार्गदर्शन की बड़ी भूमिका होती है। अभिभावकों को चाहिए कि कैरियर के मामले में वे अपनी इच्छाओं को थोपने के बजाय बच्चों की रुचि के अनुरूप रोजगार के विकल्प तलाशने में उनकी मदद करें। अपनी मनपसंद के व्यवसाय में युवा अच्छी सफलता पाते हैं और पूरे मनोयोग से अपने लक्ष्य विपरीत परिस्थितियों में भी हासिल कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर स्कूल–कॉलेजों में ऐसे रोजगारपरक कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए, जिससे कमजोर छात्रों को बेहतर करने का अवसर मिल सके। इस कार्य में शिक्षक अकादमिक मार्गदर्शन के साथ ही उन्हें सशक्त भावनात्मक संबल भी प्रदान कर सकते हैं। लेकिन सबसे व्यावहारिक समाधान रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने का है। जिससे छात्र कोई आत्मघाती कदम उठाने से बच सकें। हमें उनके उज्ज्वल भविष्य के अनुरूप वातावरण तैयार करने की पहल युद्धस्तर पर करनी चाहिए। युवाओं का आत्मघात की राह पर बढ़ना बेहद त्रासदी की बात है।

महिला सम्मान पर श्री खड़गे के सवाल

एजेंसी

राष्ट्रपति मुर्मू ने जो बातें कहीं हैं, उनसे असहमत नहीं हुआ जा सकता, लेकिन जब प. बंगाल के मामले में भाजपा लगातार विरोध–प्रदर्शन कर रही है, तभी राष्ट्रपति ने ऐसी चिंता क्यों जाहिर की, इस पर सवाल उठने लगे हैं।

प.बंगाल मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बयान के बाद देश में महिलाओं की स्थिति और उनकी सुरक्षा को लेकर नए सिरे से बहस छिड़ गई है। लेकिन इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक लंबी पोस्ट में जिन बिंदुओं को उठाया है, उन पर भी गौर किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति महोदया ने बस बहुत हो गया, यह कहते हुए 12 साल पहले हुए निर्भया कांड को भी याद किया और कहा कि 12 वर्षों में इसी तरह की अनगिनत त्रासदियां हुई हैं, हालांकि केवल कुछ ने ही पूरे देश का ध्यान खींचा। जैसे–जैसे सामाजिक विरोध कम होते गए, ये घटनाएं सामाजिक स्मृति के गहरे और दुर्गम कोने में दब गईं जिन्हें केवल तभी याद किया जाता है जब कोई और जघन्य अपराध होता है। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि सामाजिक पूर्वाग्रहों के साथ–साथ कुछ रीति–रिवाजों और प्रथाओं ने हमेशा महिलाओं के अधिकारों में अड़चन डाली है। राष्ट्रपति मुर्मू ने जो बातें कहीं हैं, उनसे असहमत नहीं हुआ जा सकता, लेकिन जब प.बंगाल के मामले में भाजपा लगातार विरोध–प्रदर्शन कर रही है, तभी राष्ट्रपति ने ऐसी चिंता क्यों जाहिर की, इस पर सवाल उठने लगे हैं। इधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी देश में महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों पर चिंता जाहिर की है। लेकिन इसमें श्री खड़गे ने एक खास बात कही है कि हमें 'बेटी बचाओ' नहीं 'बेटी को बराबरी का हक सुनिश्चित करो' चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को संरक्षण नहीं, भयमुक्त वातावरण चाहिए। गौरतलब है कि मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में जनवरी 2015 में हरियाणा से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की थी। इसके जरिए महिला सशक्तीकरण की बात कही गई थी। लेकिन समय के साथ यह अभियान एक नारे में सिमट कर रह गया। कालांतर में कभी नारी शक्ति की बात प्रधानमंत्री मोदी ने की, कभी महिला आरक्षण विधेयक को नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नाम देकर पारित करवा दिया। लेकिन धरातल पर महिलाओं की शक्ति को किसी न किसी तरह अपमानित करने का सिलसिला चलता रहा। महिलाओं को बराबरी का हक ससम्मान देने की जगह उन्हें खैरात में देने की मानसिकता इस तरह की पहलों में नजर आने लगी। इसलिए अब मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि महिलाओं को संरक्षण नहीं भयमुक्त वातावरण चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया है कि हर दीवार पर 'बेटी बचाओ' पेंट करवा देने से क्या सामाजिक बदलाव आएगा या सरकारें और कानून व्यवस्था सक्षम बनेंगी? क्या हम ऐतिहासिक कदम उठा पा रहे हैं? क्या हमारा आपराधिक न्याय तंत्र सुधरा है? क्या समाज के शोषित व वंचित अब एक सुरक्षित वातावरण में रह पा रहे हैं? श्री खड़गे ने पूछा है कि क्या सरकार और प्रशासन ने वारदात को छिपाने का काम नहीं किया है? क्या पुलिस ने सच्चाई छिपाने के लिए पीड़िताओं का अंतिम संस्कार जबरन करना बंद कर दिया है? कांग्रेस अध्यक्ष के इन ज्वलंत सवालों ने भाजपा के शासनकाल में महिला सुरक्षा, महिला सम्मान, नारी शक्ति का अभिनंदन, बेटियों को बचाने और पढ़ाने के दावे, सब को कटघरे में खड़ा कर दिया है। जब राष्ट्रपति महोदया बंगाल की घटना के बाद अपने डर और निराशा को प्रकट कर रही थीं, तब उप्र के फर्रुखाबाद में दो नाबालिग लड़कियों के परिजन इस सवाल पर परेशान थे कि उनकी बेटियों की मौत कैसे हुई, क्यों उनके शव पेड़ से लटकते मिले, जिसे आत्महत्या कहा जा रहा है, क्यों उनकी बेटियों के अंतिम संस्कार की जल्दबाजी पुलिस ने दिखाई है। इन सवालों के जवाब शायद ही उन लाचार परिजनों को मिलें, क्योंकि इससे पहले भी उप्र में एक बलात्कार की शिकार युवती के शव को पेट्रोल छिड़ककर जला दिया गया और उसे अंतिम संस्कार का नाम दिया गया। उप्र ही नहीं देश के अनेक राज्यों में पुलिस थानों में पीड़िताओं या उनके परिजनों के साथ संवेदनापूर्ण व्यवहार नहीं होता है। बल्कि कई मामलों में तो यह देखा गया है कि आरोपी अगर रसूखदार हुआ तो पीड़ित पक्ष को थाने में भी अपमानित या उत्पीड़ित होना पड़ता है। यह व्यवहार तभी सुधर सकता है, जब पुलिस प्रशिक्षण के दौरान संवेदना के पक्ष को कुछ और वजनदार करके प्रस्तुत किया जाए। श्री खड़गे ने महिलाओं को संरक्षण बनाम भयमुक्त वातावरण को लेकर जो सवाल उठाया है, उस पर भी समाज को गौर करने की जरूरत है, क्योंकि यह सवाल केवल किसी सरकार के नजरिए से सुलझाया नहीं जा सकता। मनुस्मृति की सोच है कि महिलाओं को पहले पिता, फिर पति और फिर बेटे के संरक्षण में रहना चाहिए, इसी सोच पर समाज का एक बड़ा वर्ग आज भी चलता है। यह सोच इसलिए पनपी क्योंकि पुरुषों के रवैये ने महिलाओं को हमेशा संभल कर रहने, बच कर रहने का अहसास कराया। अगर समाज महिला और पुरुष में बराबरी की भावना शुरु से कायम रखे, यानी अगर परिवारों से ही इसकी शुरुआत हो कि लड़का और लड़की में सिवाय शारीरिक संरचना के कोई और अंतर नहीं है और इसलिए कोई किसी से दोयम नहीं है, तो समाज में भी यही माहौल बनेगा। इसके बाद महिलाओं के लिए सही में भयमुक्त वातावरण बनेगा और किसी के भय से संरक्षण की जरूरत नहीं पड़ेगी।

मानवता के लिए एक बड़ा खतरा बनकर उभर रहे हैं परमाणु ऊर्जा संयंत्र

डॉ. अरुण मित्रा

पहले जापोरिज्जिया और अब कुर्स्क में परमाणु ऊर्जा संयंत्र खतरे में हैं, जो अत्यधिक चिंता का विषय है। संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (एआईईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने 27 अगस्त को रूस के कुर्स्क परमाणु संयंत्र के दौरे के दौरान चेतावनी दी कि स्थिति बहुत गंभीर है क्योंकि यह संयंत्र युद्ध क्षेत्र से मुश्किल से 50 किलोमीटर दूर स्थित है। आईएईए ने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए खतरे के बारे में कई चेतावनियां जारी की हैं, खासकर रूसी सेना द्वारा दक्षिणी यूक्रेन में जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर कब्जा करने के बाद। आईएईए प्रमुख ने चेतावनी दी कि परमाणु ऊर्जा संयंत्रों पर कभी भी हमला नहीं किया जाना चाहिए। यह एक अत्यंत गंभीर चेतावनी है जो आईएईए प्रमुख के मुंह से निकली है। थ्री माइल आइलैंड, चेरनोबिल और फुकुशिमा परमाणु ऊर्जा संयंत्र आपदाओं की भयानक यादें हमें उन क्षेत्रों में और उसके आसपास के क्षेत्रों में जीवन और बुनियादी ढांचे के भारी नुकसान की याद दिलाती हैं, साथ में विकिरणों के दीर्घकालिक परिणाम की भी। इसलिए वैश्विक समुदाय न केवल चिंतित है बल्कि भयभीत भी है कि अगर यूक्रेन में युद्ध बढ़ता है, तो परमाणु दुर्घटना के खतरे से इंकार नहीं किया जा सकता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी संप्रभुता या क्षेत्र को खतरा हुआ तो उनका देश परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने यह बयान 5 जून 2024 को दिया जब वे रूस द्वारा 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के वरिष्ठ संपादकों से व्यक्तिगत रूप से मिले। रूस–यूक्रेन क्षेत्र के अलावा, गाजा में महिलाओं और बच्चों पर चल रहा इजरायली आक्रमण दिल दहला देने वाला है। गाजा के नागरिकों को मवेशियों के झुंड की तरह इधर–उधर धकेला जा रहा है। इजरायली सुरक्षा बलों ने उन्हें सुरक्षित स्थानों पर जाने या मौत का सामना करने के लिए कहा है। लेकिन तथाकथित सुरक्षित स्थानों पर भी हमले किये जाते हैं और बच्चों और महिलाओं को बिना किसी दोष के मार दिया जाता है। 7 अक्टूबर से, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वास्थ्य सुविधाओं पर कुल 890 हमले दर्ज किये हैं, जिनमें से 443 गाजा में और 447 पश्चिमी तट पर हुए हैं। अस्पतालों को आम तौर पर युद्ध के समय सुरक्षित स्थान माना जाता है क्योंकि युद्धरत पक्षों से जिनेवा कन्वेंशन के अनुसार स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमला नहीं करने की अपेक्षा की जाती है, जिसमें कहा गया है कि इंधायलों और बीमारों, अशक्तऔर प्रसूति मामलों की देखभाल करने के लिए संगठित नागरिक अस्पताल किसी भी परिस्थिति में हमले का लक्ष्य नहीं हो सकते हैं, और संघर्ष में शामिल पक्षों द्वारा हर समय उनका सम्मान और संरक्षण किया जाना चाहिए। इसलिए कई बार नागरिक सुरक्षा के लिए अस्पतालों में जाने की कोशिश करते हैं। गाजा में गंभीर भीषण संकट है क्योंकि गाजावासियों तक मानवीय सहायता पहुंचने में कई बाधाएं हैं। डब्ल्यू एच ओ और यूनिसेफ ने बीमारियों में वृद्धि के बारे में चेतावनी दी है। निवासियों में पोलियो वायरस का पता चलने से चिकित्सा बिरादरी हिल गयी है। 40,000 से ज्यादा लोगों की मौत 1948 के नकबा की पुनरावृत्ति है, जब दर्जनों नरसंहारों में फिलिस्तीनी अरबों को निशाना बनाया गया था और 500 से ज्यादा अरब–बहुल शहर, गांव और शहरी इलाके उजड़ गये थे, जिनमें से कई या तो पूरी तरह से नष्ट हो गये या यहूदियों ने उन्हें फिर से आबाद कर दिया और उन्हें नए हिब्रू नाम दिये। हर गुजरते दिन के साथ युद्ध का क्षेत्र लेबनान की ओर बढ़ रहा है। यह एक गंभीर खतरा है क्योंकि ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ रहा है। इजराइल पहले से ही एक परमाणु हथियार रखने वाला देश है और ईरान के पास परमाणु शक्ति है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कैबिनेट के एक अति–दक्षिणपंथी सदस्य अमीचाई एलियाहू ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से इंकार नहीं किया है। उनके बयान को पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि इजराइल ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के फैसलों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया है। कोई आश्चर्य नहीं कि इजराइल को ऐसे मामलों में अमेरिका का समर्थन प्राप्त है। यह सर्वविदित है कि युद्ध के समय मानव कल्याण के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। कई अफ्रीकी देशों में भूख, अभाव और बीमारियां आंतरिक कलह का कारण बन गयी हैं। इनमें बुर्किना फासो, कैमरून, मध्य अफ्रीकी गणराज्य (सीएआई), कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, इथियोपिया, माली, मोजाम्बिक, नाइजीरिया, नाइजर, सेनेगल, सोमालिया, दक्षिण सूडान और सूडान शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर इन देशों में स्थिति को आसान बनाने के बारे में बहुत कम चर्चा होती है। युद्धों का मतलब सैन्य औद्योगिक परिसरों के लिए बहुत बड़ा मुनाफा है। कहा जाता है कि वर्तमान सैन्य गतिविधि के कारण पर्यावरण को होने वाला नुकसान कुल पर्यावरणीय गिरावट का लगभग 5.4प्रतिशत है। परमाणु हथियारों की मौजूदगी ही एक बड़ा खतरा है। अगर इन हथियारों का इस्तेमाल नहीं भी किया जाता है, तो भी इनके रखरखाव में शामिल लागत का प्रभाव स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सामाजिक जरूरतों पर किये जाने वाले निवेश पर पड़ता है। परमाणु हथियारों को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान (आईसीएएन) ने इन हथियारों के उत्पादन और रखरखाव पर बर्बाद किये गये धन की उपयोगिता की तुलना करते हुए आंकड़े पेश किए हैं। आईसीएएन ने कहा कि दुनिया भर में स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियां लोगों की

जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ हैं, जबकि परमाणु हथियार संपन्न देशों ने 2023 में अपने परमाणु शस्त्रागार को आधुनिक करने पर 91.4अरब अमेरिकी डॉलर बर्बाद कर दिये। इसकी रिपोर्ट बताती है कि यह राशि संयुक्त राज्य अमेरिका में 718,930 नर्सों के वार्षिक वेतन को कवर करने के लिए बेहतर तरीके से खर्च की जा सकती थी जबकि खसरा, कण्ठमाला और रूबेला के खिलाफ 5,34,35,40,72,239 बच्चों का टीकाकरण कोविड के खिलाफ 2,28,30,27,774 लोगों का टीकाकरण एक साल के लिए अकाल से 58,70,64,285 लोगों को बचाने य 6,08,80,74,06,304 पेड़ लगाने या 1,39,81,01,964 लोगों को एक साल का स्वच्छ जल प्रदान करना संभव था। ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं। देशों और समाजों को खतरे का अहसास होना चाहिए। स्थायी शांति और परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए प्रस्तावों को पारित करना और उन्हें लागू करना संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का प्राथमिक कर्तव्य है। जी–20, जो शक्तिशाली देशों का एक समूह है, को परमाणु निरस्त्रीकरण सुनिश्चित करना चाहिए। असैन्य समाज को भी नौ परमाणुसंपन्न देशों पर परमाणु हथियारों के निषेध पर बहुपक्षीय संयुक्त राष्ट्र संधि (टीपीएनडब्ल्यू) में शामिल होने के लिए पहले से कहीं अधिक मजबूती से अपनी आवाज उठानी होगी।

चुनावी राज्यों में ध्रुवीकरण की प्रक्रिया तेज

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बचाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ। इस वर्ष की बची अवधि में जिन चार राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं, उनमें से हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के लिये तो प्रक्रिया प्रारम्भ हो भी गयी है, वहीं महाराष्ट्र तथा झारखंड के लिये कभी भी इसका ऐलान हो सकता है। चारों ही राज्यों में भारतीय जनता पार्टी एवं उसके गठबन्धन (नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस– एनडीए) की हालत पतली समझी जाती है। इसके कारण राज्यवार तो अलग–अलग हैं, लेकिन जो बात सब पर लागू होती है, वह है उसके सामने मुद्दों का अभाव। अपने कथित विकास की कोई भी बात मतदाताओं के सामने रखने में नाकाम रही भाजपा के साथ हमेशा ऐसा होता आया है। सामान्य मौकों पर विकास, खुशहाली, मजबूत अर्थव्यवस्था जैसे विषयों पर बड़ी जोर–जोर से ढोल पीटने वाली भाजपा चुनाव के वक्त पर हिन्दू–मुस्लिम, भारत–पाकिस्तान और श्मशान–कब्रिस्तान पर उतर आती है। लगता है कि फिर वैसा ही कुछ होने जा रहा है। हरियाणा और महाराष्ट्र में हुई दो घटनाओं का सम्बन्ध उसी गौ मांस से है, जिसके बूते भाजपा अपनी सरकारें (केन्द्र की हो या फिर राज्य की) बनाने की हमेशा जुगत करती है। गाय में श्रद्धा के नाम पर भाजपा ने देश भर में गोमांस को हमेशा से एक मुद्दा बनाकर रखा है। इसे लेकर भाजपा सियासी खेल करती रहती है। एक ओर तो वह गोमांस पर प्रतिबन्ध लगाने की बात करती है लेकिन जिन राज्यों में बीफ भोजन का हिस्सा है, वहां उसे जीवन शैली के नाम पर स्वीकारती भी है। गोवा, केरल, पूर्वोत्तर आदि

के राज्यों में उसका अधिकृत रवैया यही होता है कि वह उसे स्वीकार करती चले। दूसरी तरफ उसके अथवा सहयोगी संगठनों के कार्यकर्ता देश भर में इसे लेकर उत्पात मचाते हैं। कई लोगों की गोमांस रखने या खाने के आरोप या संदेह मात्र में पीट–पीटकर हत्याएं कर दी गयी हैं। पहली घटना हरियाणा के चरखी दादरी की है जहां पश्चिम बंगाल से मजदूरी करने गये दो व्यक्तियों को गोमांस खाने के आरोप में कुछ लोगों ने इतना पीटा कि उनमें से एक की मृत्यु हो गयी तथा एक गम्भीर रूप से घायल हो गया है। ये दोनों ही 24 परगना जिले के हैं और वहां रहकर कूड़ा बीनने का काम करते थे। वैसे पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। 3 को न्यायिक रिमांड में भेज दिया गया है, जबकि 4 पुलिस हिरासत में हैं। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि हंसावास खुर्द गांव की एक झुग्गी बस्ती में कुछ लोग प्रतिबंधित मांस खा रहे हैं। पुलिस ने वहां जाकर सैंपल लिया और प्रयोगशाला में भेजा। चूंकि इस पर कार्रवाई लैब की रिपोर्ट पर ही निर्भर है, इसलिये इसका इंतजार किया जा रहा था। यह घटना 27 अगस्त को हुई थी। इस बीच कुछ लोगों को इसकी जानकारी होने पर उन्होंने जाकर लिंचिंग की घटना को अंजाम दिया। घटना में शामिल दो नाबालिग हैं। पहले उन्होंने दोनों का अपहरण कर लिया और फिर अन्यत्र ले जाकर उनकी मरते या घायल होने तक पिटाई की। दूसरी तरफ वहां के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जो बयान दिया है, वह और भी स्तब्ध करने वाला है। सैनी ने मॉब लिंचिंग को तो गलत बताया परन्तु उनका यह भी कहना है कि राज्य ने गौ संरक्षण हेतु कड़ा कानून बनाया है। गोमाता पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। सैनी के अनुसार गोमाता में लोगों की इतनी श्रद्धा है कि यदि उन्हें (लोगों को) इस प्रकार की घटना की जानकारी हो जाये तो उन्हें कौन रोक सकता है। वे गांव के लोग हैं। अंदर क्या हुआ क्या नहीं हुआ– कुछ नहीं कहा जा सकता। यह भाषा साफ बतलाती है कि सैनी की आरोपियों के प्रति न केवल सहानुभूति है वरन वे उनके काम को तर्कसंगत भी साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी घटना महाराष्ट्र की है। धुले एक्सप्रेस में एक मुस्लिम बुजुर्ग की कुछ सहयात्रियों ने पिटाई कर दी क्योंकि उन्हें शक था कि उन के पास गोमांस है। दो प्लास्टिक कंटेनरों में रखी सामग्री के बाबत वे पूछताछ कर रहे थे। उस घटना के वायरल हुए वीडियो में वह व्यक्ति बहुत डरा हुआ दिखा रहा था। जलगांव निवासी यह बुजुर्ग मालेगांव में अपनी बेटी के लिये भैंस का मांस ले जा रहे थे। महाराष्ट्र में गाय एवं बैल के मांस पर तो प्रतिबन्ध है लेकिन भैंस का मांस खाना या रखना प्रतिबन्धित नहीं है। उन के जवाब से असंतुष्ट लोग उन से कई तरह के सवाल करते रहे। साथ ही वे अशरफ मुन्यार को यह कहकर भी धमकाते रहे कि शेष परीक्षण से जान जायेंगे कि उसके पास रखा हुआ कौन सा मांस है।

एसडीएम नें तत्काल सौर उर्जा में सुरक्षा गार्ड बढ़ानें के जारी किये निर्देष - महेन्द्र उपाध्याय

विकास तिवारी

गुढ़। म.प्र. कांग्रेस कमेटी एवं जिला कांग्रेस कमेटी के दिषा निर्देष पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गुढ़ के अध्यक्ष महेन्द्र उपाध्याय के नेतृत्व में 4 सूत्रीय मॉगो को लेकर एसडीएम गुढ़ डॉ. अनुराग तिवारी को महामहिम राज्यपाल महोदय के नाम संबोंधित ज्ञापन पत्र सौंपा गया जिसमें ज्ञापन पत्र में म.प्र. के अन्नदाता किसान इस समय काफी परेषानी में जूझ रहें है भारी वर्षा से उनके सोयाबीन, अरहर, धान की फसलों का काफी नुकसान हुआ है प्रदेष में पचास प्रतिषत सोयाबीन की फसल में फल नहीं लगा है । किसानों की लागत मूल्य दो गुना हो गई है वर्ष 2011 में सोयाबीन की फसलों का दाम 4300/- रूपये क्विंटल थे लेकिन वर्ष 2024 में पुरानें दामों पर उनकी उपज खरीदी जा रही है केन्द्र एवं प्रदेष में भाजपा की सरकार है फिर भी किसान एमएसपी की मॉग कई वर्षो से कर रहें है लेकिन आज भी किसानों की फसलें एमएसपी के दरों पर खरीदी नहीं की जा रही है इतना ही नही प्रदेष मे किसानों की आर्थिक परेषानी में बेतहाषा वृध्दि हुई है प्रदेष में खराब सड़के, महिलाओं और अबोध बालिकाओं पर हो रहे दुराचार अजा अजजा एवं अल्पंख्यक के साथ भेदभाव किये जा रहें है इसके साथ ही साथगुढ़ क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं की ओर भी माननीय एसडीएम का ध्यान आकृष्ट कराया गया है जिसमें गुढ़ थाना अन्तर्गत ग्राम पंचायत बदवार में स्थित सौर उर्जा प्लॉट के अंदर ही अपराधी आये दिन हत्या कर रहें है कोई भी अपराधी नहीं पकड़े जा सके सौर उर्जा प्लॉन्ट में एक चौकी स्थापना कराया जाना आवष्यक है ताकि होने वाले अपराध में रोंकथाम हो सके । म.प्र. शासन द्वारा सभी कलेक्टरों को सख्त दिषा निर्देष जारी किये गये है कि नेषनल हाइवे एवं अन्य मार्गो पर जहॉ आवारा पषु स?को में बैठे रहते है जिस पर प्रतिदिन 10-15 गौमाताओं की हत्या वाहनों के टकरानें से हो रही है इसी आदेष के तहत रीवा जिले के कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल नें गुढ़ एसडीएम डॉ. अनुराग तिवारी को आदेष का पालन करानें हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को दिषा निर्देष जारी किये गये थे जिसमें नगर परिषद गुढ़के सीएमओ को आदेष जारी किया कि गुढ़ नगर के मार्गो में जहॉ आवारा पषु सड़क पर डेरा जमाऐ हुऐ है उन्हे

तत्काल गौषाला में भिजवानें का कष्ट करें लेकिन मुख्य नगर पालिका अधिकारी के.एन.सिंह केवल खानापूर्ति कर रहें है तथा आदेष की अवहेलाना कर रहें है ज्ञापन पत्र में एसडीएम गुढ़ नें तत्काल कार्यवाही करते हुऐ सौर उर्जा प्लॉन्ट के अधिकारी को सख्त निर्देष दिये है कि प्लॉन्ट के अंदर तत्काल सुरक्षा व्यवस्था कराई जाय यदि किसी प्रकार के संगीन अपराध घटित होते है तो इसकी संपूर्ण जबाबदारी प्लॉन्ट के अधिकारियों की होगी इसी तरह से आवारा पषुओ के संबंध में उन्होनें कार्यवाही करनें का आष्वासन सीएमओ गुढ़ के विरूध्द करनें का आष्वासन कांग्रेस नेंताओं को दिया है।एसडीएम इस कार्यवाही से क्षेत्र के लोगों नें काफी प्रसन्नता व्यक्त की है और कहा है, कि एसडीएम श्री अनुराग तिवारी के साहसिक आदेष पर निष्चित रूप से किसानों को निजात मिलेगी।ज्ञापन देनें वाले में प्रमुख रूप सेगुढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेन्द्र उपाध्याय, वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री श्रीमती अर्चना त्रिपाठी पार्षद मुमताज खान, सज्जन सिंह, पार्षद शंकरलाल बंषल, पार्षद दुर्गेष गुप्ता, पूर्व पार्षद शुभाष मिश्र, पूर्व पार्षद शैलेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र त्रिपाठी, अजय त्रिपाठी, प्रवीन शुक्ला, चन्द्रमोल दयाल उपाध्याय, भैयालाल त्रिपाठी, राजबहोर साकेत, देवराज कुषवाह, जोखूलाल, षिवधारी पटेल, राजभान केवट, बृजेष पिड़िहा, मदनगोपाल, स्वदीप शुक्ला, रामेष्वर कोल, कमलाकांत तिवारी, पूर्व पार्षद जयराम कुषवाहा, संजीव शर्मा, के.के. द्विवेदी पूर्व पार्षद प्रयाग कोरी, गुल्ला कोल, बॉके कोल, मिथला प्रसाद, रामू वर्मा आदि लोगों नें ज्ञापन सौंपा।

शिक्षक दिवस पर विशेष

नौ सेनाध्यक्ष और थल सेनाध्यक्ष देने वाला प्रदेश का गौरव है सैनिक स्कूल रीवा

रीवा। मध्यप्रदेश के ऐतिहासक शहर महाकाल की नगरी उज्जैन में संदीपनि आश्रम में भगवान कृष्ण ने शिक्षा प्राप्त की थी। गुरूकुल में मिले ज्ञान से भगवान कृष्ण ने पूरी दुनिया को आलोकित करने वाला गीता का ज्ञान दिया। आधुनिक युग में मध्यप्रदेश के रीवा सैनिक स्कूल में ऐसे दो सपूतों ने शिक्षा प्राप्त की है जो अपनी प्रतिभा और परिश्रम से देश के नौ सेना तथा थल सेना की कमान संभाल रहे हैं। संभवत~ रीवा सैनिक स्कूल देश का एक मात्र स्कूल होगा जिसके दो विद्या?र्थी एक साथ देश के सेनाध्यक्ष का पद्भार संभाल रहे हैं। सुखद संयोग यह भी है कि दोनों अधिकारी सैनिक स्कूल में एक ही बैच के विद्यार्थी हैं। इस स्कूल में शिक्षा प्राप्त एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी 30 अप्रैल 2024 को भारतीय नौ सेना के अध्यक्ष बनाए गए। सैनिक स्कूल रीवा के ही विद्यार्थी जनरल उपेन्द्र द्विवेदी 30 जून 2024 को थल सेनाध्यक्ष बनाए गए। अपने शानदार कैरियर से इन दोनों अधिकारियों ने भारतीय सेना में मध्यप्रदेश और विन्ध्य का झण्डा बुलंद किया है। ऐसे दो अधिकारी देने वाला सैनिक स्कूल रीवा मध्यप्रदेश ही नहीं पूरे देश का गौरव है। किशोरों

तथा युवाओं में सैन्य शिक्षा के प्रति आकर्षण पैदा करने के लिए देश भर में सैनिक स्कूल शुरू किए गए। रीवा में 20 जुलाई 1962 को सैनिक स्कूल की स्थापना हुई। रीवा के तत्कालीन महाराजा मार्तण्ड सिंह ने सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए अपना युवराज भवन तथा 264 एकड़ जमीन प्रदान की। सैनिक स्कूल का संचालन रक्षा मंत्रालय के तहत किया जाता है। रीवा में लेफ्टिनेंट कर्नल आरआर नारंग को सैनिक स्कूल का प्रथम प्राचार्य बनाया गया। श्री नारंग के कठिन परिश्रम और लगन से सैनिक स्कूल ने आकार लेना शुरू किया। इसमें कक्षा पाँचवी से नवीं तक की कक्षाओं में 150 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। शुरूआत में सैनिक स्कूल में केवल बालकों को प्रवेश दिया जाता था। गत तीन वर्षों से इसमें बालिकाओं को भी प्रवेश दिया जा रहा है। सैनिक स्कूल परिसर में प्रशिक्षण के सभी संसाधन उपलब्ध हैं। विभिन्न खेलों के लिए यहाँ विकसित मैदान हैं। सैनिक स्कूल परिसर में लड़ाकू विमान और टैंक शोभा बढ़ा रहे हैं। सैनिक स्कूल में शिक्षा प्राप्त कई विद्यार्थी सेना, प्रशासन तथा अन्य क्षेत्रों में उच्च पदों पर कार्य कर रहे हैं।

नौ सेनाध्यक्ष श्री त्रिपाठी - श्री त्रिपाठी का जन्म 15 मई 1964 को सतना जिले के महुडर ग्राम में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा गांव में प्राप्त करने के बाद श्री त्रिपाठी ने 1973 में सैनिक स्कूल रीवा में प्रवेश लिया। श्री त्रिपाठी 1981 में स्कूली शिक्षा पूरी करके नेशनल डिफेंस एकेडमी ख?गवासला पुणे में प्रवेश लिया। श्री त्रिपाठी ने डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कालेज वेलिंगटन में स्टाफ कोर्स पूरा किया, जिसमें उन्हें थिमैया पदक देकर सम्मानित किया गया। संयुक्त राज्य अमेरिका में नेवल वॉर कालेज में श्री त्रिपाठी ने सैन्य विज्ञान की विशिष्ट शिक्षा प्राप्त की। यहाँ उन्हें राबर्ट्स ई वेटमेन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री त्रिपाठी एक जुलाई 1985 को भारतीय नौसेना में नियुक्त हुए। वे संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के विशेषज्ञ हैं। नौ सेनाध्यक्ष बनने से पहले श्री त्रिपाठी ने 38वें उप नौसेना प्रमुख, पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफीसर कमांडिंग इन चीफ और नौ सेना संचालन महानिदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। श्री त्रिपाठी को सेना में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल तथा नौसेना मेडल से सम्मानित किया जा चुका है।

बोलबम कांवरिया संघ द्वारा आयोजित किया गया विशाल भण्डारे का आयोजन

आज दोपहर 12 बजे से शुरू हुए भंडारे में गुढ़ नगर सहित आस पास गांव के लोगो के साथ स्कूली छात्र भी ग्रहण किए बोल बम का प्रसाद

विकास तिवारी

गुढ़। आपको बताते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि बोलबम कांवरिया संघ गुढ़ द्वारा विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी आज दिनांक 4/9/024 को दोपहर 12 बजे से विशाल भण्डारे का आयोजन शुरू किया गया जिसमें पूड़ी सब्जी चावल कढ़ी के साथ शुरू आत कर हजारो लोगो को प्रसाद ग्रहण कराया गया। आपको यह भी बता दें कि बोल बम कवांरिया संघ के सदस्यो ने बडे उत्साह पूर्वक बोल बम देवघर के गानो के साथ झूमते हुए आने जाने वाले लोगो एवं छात्र छात्राओं सहित सभी वर्ग के लोगो को बड़े आदर पूर्व भण्डारे में सामिल कर प्रसाद ग्रहण कराते देखने को मिले वही भंण्डारे में एक हजार से ऊपर लोग सामिल होकर बोल बम का प्रसाद ग्रहण कर बोल बम कांवरियां संघ गुढ़ को कार्यक्रम सफल होने की शुभ कामनाएं दी।

बोलबम कांवरिया संघ-बोलबम कांवरिया संघ गुढ़ के समस्त कार्यकर्ताओं ने गुढ़ नगर वासियो एवं बोलबम के भण्डारे में सामिल हुए आप सभी अंगतुको व बोलबम भक्तो को शांति पूर्वक प्रसाद ग्रहण करने के लिए धन्यवाद प्रेषित किए।

आज दिनांक 4 तारीख दिन बुधवार को समय 12 बजे से स्थान- पुराना थाना के सामने व नगर परिषद कार्यालय के पास बोलबम कांवरिया संघ द्वारा आयोजित भण्डारा कार्यक्रम अच्छी ब्यवस्थाओ के साथ विशाल भण्डारा के रूप में देखने को मिला जहां हर एक वर्ग के लोग बोलबम के प्रसाद ग्रहण कर अपने जीवन व मन को तृप्त किए।

मध्य प्रदेश के रीवा में वायरल फीवर से 5 बच्चों की मौत, जूनियर डॉक्टरों के भरोसे चल रहा गांधी स्मारक अस्पताल

विकास तिवारी

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा में वायरल फीवर से पांच बच्चों की मौत का मामला सामने आया है। जिले के अलग-अलग स्थानों से 12 बच्चों को रीवा के गांधी स्मारक अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। परिजन का आरोप है कि अस्पताल जूनियर डॉक्टरों के भरोसा चल रहा है, जिनकी लापरवाही से बच्चों की मौत हुई है। फिलहाल अस्पताल प्रबंधन की ओर से कोई बयान नहीं आया है।

अस्पताल प्रबंधन पर और स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल-रीवा के संजय गांधी अस्पताल में पांच बच्चों की मौत की सूचना इंटरनेट मीडिया पर जमकर वायरल हो गई। जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन पर और स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे। अब पूरे मामले में संजय गांधी स्मृति अस्पताल की ओर से सफाई दी गई है। पांच बच्चों की मौत की खबर को असत्य और भ्रामक बताया गया है। हालांकि अस्पताल प्रबंधन ने अब तक मंगलवार के आंकड़े नहीं दिए हैं।

बच्चे जिनके बचने की संभावना पहले से बहुत कम थी-अस्पताल के

अधीक्षक राहुल मिश्रा का कहना है कि अस्पताल में इलाज के दौरान एक ही बच्चे की मौत हुई है। जो हृदय रोग से ग्रसित था। इसके अलावा बच्चे को पीलिया की बीमारी भी थी, जिनके बचने की संभावना पहले से बहुत कम थी। 2 सितंबर को कान्हा बुनकर पिता सूरज बनकर उम्र 6 वर्ष निवासी सज्जनपुर की मृत्यु हुई है।अन्य दो बच्चे मृत अवस्था में अस्पताल लाए गए थे। जिनके नाम क्रमशः आशा साकेत पिता मुन्ना लाल साकेत उम्र 01 महीना (बच्चा) निवासी अमरपाटन जिला सतना और दूसरा प्रियांश केवट पिता अशोक केवट उम्र 05 वर्ष (बच्चा) निवासी रायपुर कर्चुलियान जिला रीवा है।

अस्पताल अधीक्षक बोले- पांच बच्चों की मौत भ्रामक

अस्पताल के अधीक्षक का कहना है कि पांच बच्चों की मौत की खबर पूरी तरह से भ्रामक है।

सुबह कई सारे व्हाट्सएप ग्रुप में यह जानकारी फ्लैश हो रही थी। जो कि निराधार है।

अस्पताल में संभाग भर से मरीज रेफर होकर आते हैं। वे गंभीर अवस्था में ही लाए जाते हैं।

हम बचाने का पूरा-पूरा प्रयास करते हैं। अस्पताल प्रबंधन की ओर से विज्ञप्ति भी जारी की गई है।

इंटरनेट मीडिया में पांच बच्चों की मौत की खबर वायरल हुई। जिस पर सीएमएचओ से रिपोर्ट मांगी गई। अभी तक अस्पताल में 1 ही बच्चे की मौत हुई है। जो गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया था। जिसके बचने की सम्भावना कम थी। अन्य दो बच्चे मृत अवस्था में लाए गए। इस तरह से कुल तीन मौतों की सूचना है।

प्रतिभा पटेल कलेक्टर

वीडियो कान्फ्रेंसिंग से मतदाता सूची पुनरीक्षण के संबंध में दिए गए निर्देश

रीवा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री सुखवीर सिंह ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का पुनरीक्षण कराएं। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करें। सभी एआरओ बीएलओ से प्रतिदिन रिपोर्ट लेकर उसके भ्रमण का सत्यापन करें। मतदाता सूची में नाम जो?ने, पृथक करने तथा शिफ्टिंग के आवेदन वोटर हेल्पलाइन के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज कराएं। बीएलओ इसमें ऑनलाइन कार्यवाही करें। एआरओ भी इन पर ऑनलाइन कार्यवाही करके मतदाता सूची का पुनरीक्षण कराएं। बीएलओ के घर-घर भ्रमण करने पर ही मतदाता सूची का ठीक से शुद्धिकरण होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि जिन मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की संख्या 1500 के आसपास है वहाँ नए मतदान केन्द्र प्रस्तावित करें। ऐसे बहुमंजिला भवन अथवा कालोनी जिसमें 500 से अधिक मतदाता रहते हों उनमें भी मतदान केन्द्र बनाएं। अभियान चलाकर मतदान केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं का सत्यापन करा लें। जर्जर भवनों वाले मतदान केन्द्रों को नए भवनों में शिफ्ट कराएं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण से संबंधित पत्रक एक से आठ तक में समुचित जानकारी ऑनलाइन संधारित कराएं। जिन मतदान केन्द्रों में पुरूष तथा महिला मतदाताओं के अनुपात में अधिक अंतर है वहाँ विशेष अभियान चलाकर छूटी हुई महिला मतदाताओं के नाम शामिल कराएं। कलेक्टर विधानसभावार तथा मतदान केन्द्रवार जनसंख्या के अनुपात में मतदाताओं के प्रतिशत की जानकारी बीएलओ को दें। जिन मतदान केन्द्रों में निर्धारित प्रतिशत से कम मतदाता हैं वहाँ विशेष प्रयास करके पात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराएं। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में दिव्यांग मतदाताओं, संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए गए।

कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से वीडियो कान्फ्रेंसिंग में शामिल कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सर्वे का कार्य जारी है। अब तक एक लाख से अधिक मतदाताओं का सत्यापन किया जा चुका है। सर्वे कार्य में लापरवाही बरतने वाले 48 बीएलओ और सुपरवाइजरों को हटाया जा रहा है। आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। महिला और पुरूष मतदाताओं के अनुपात में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले भी उपस्थित रहे।

आपकी उम्र क्यों नहीं बढ़ रही है? आर. माधवन के सवाल पर

दीया मिर्जा

ने दिया दिलचस्प जवाब

आर. माधवन और दीया मिर्जा ने फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' अपनी खूबसूरत केमिस्ट्री का ऐसा जलवा बिखेरा था कि दर्शक आज भी उन्हें और उनकी फिल्म को भूल नहीं पाए हैं. 'रहना है तेरे दिल में' एक बार फिल रिलीज हुई है. इस खास मौके पर, आर. माधवन ने दीया मिर्जा से पूछा कि उनकी उम्र क्यों नहीं बढ़ रही है? इस पर एक्ट्रेस की ओर से जवाब मिला, 'क्योंकि माधवन की उम्र नहीं बढ़ रही है."रहना है तेरे दिल में' पहली बार 19 अक्टूबर 2001 को रिलीज हुई थी. यह 23 साल बाद सिनेमाघरों में एक बार फिर रिलीज हुई है. इस फिल्म के रिलीज होने के बाद दीया और माधवन ने हाल में इंस्टाग्राम पर एक लाइव सेशन किया. इस दौरान दोनों फिल्म के बारे में बात करते हैं. तभी माधवन दीया मिर्जा से कहते हैं कि फैंस पूछ रहे हैं कि उनकी उम्र क्यों नहीं बढ़ रही है? इस पर दीया मिर्जा कहती हैं कि क्योंकि मैडी (माधवन) की उम्र नहीं बढ़ रही है. उनका यह जवाब सुनकर माधवन हंस पड़ते हैं.

वासुदेव मेनन ने की थी डायरेक्ट

दीया ने वीडियो के साथ एक कैप्शन में लिखा, 'हम बस इतना कहना चाहते थे कि 'रहना है तेरे दिल में' के लिए पिछले 23 साल में आपने हमें जो प्यार दिया है और अभी सिनेमाघरों में फिल्म को जो प्यार दे रहे हैं, उसके लिए आपका बहुत-बहुत शुक्रिया.' फिल्म को वासुदेव मेनन ने डायरेक्ट किया था. उन्होंने इस फिल्म की कहानी भी लिखी है. रोमांटिक ड्रामा फिल्म में सैफ अली खान भी अहम रोल में हैं. यह फिल्म वासुदेव मेनन की तमिल फिल्म 'मिन्नाले' का रीमेक है.

आर. माधवन ने 'रॉकेट्री' की है निर्देशित

आर. माधवन के करियर की बात करें तो वे 'मुंबई मेरी जान', 'दिल विल प्यार व्यार', 'रंग दे बसंती', 'गुरु', '3 इडियट्स', 'तनु वेड्स मनु', 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं. उन्होंने 2022 में रिलीज हुई फिल्म 'रॉकेट्री-द नंबी इफेक्ट' में मुख्य निभाई थी. इस फिल्म के निर्देशक तथा लेखक माधवन ही हैं. यह फिल्म भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिक नंबी नारायणन के जीवन पर आधारित है. इसके बाद, वे 'धोखा राउंड डी कॉर्नर' और 'शैतान' में भी नजर आए.

जब हनी सिंह ने दारू और गांजा पीकर प्रोड्यूसर के पेट में 8 बार काट लिया!

मशहूर रैपर एंड सिंगर Yo Yo Honey Singh अपने म्यूजिक और यूनिक अंदाज के लिए जाने जाते हैं. उनके गाने चार्टबीट में ट्रेंड करते रहते हैं. सिर्फ प्रोफेशनल ही नहीं, वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरते हैं. कुछ वक्त पहले ही उनका पत्नी से तलाक हुआ है, जिन्होंने हनी सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे. इस वक्त हनी सिंह अपनी नई एल्बम ग्लोरी के प्रमोशन में लगे हुए हैं. इस दौरान उन्होंने अपने दोस्त और 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के प्रोड्यूसर सुनील बोहरा से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया है. नशे की हालत में हनी सिंह ने सुनील बोहरा के साथ ऐसा कुछ कर दिया था कि मामला ही वायरल हो गया.हाल ही में लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में यो यो हनी सिंह ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर काफी बातचीत की. इस दौरान हनी सिंह ने एक्सेप्ट किया कि कैसे उनकी नशे की लत ने पूरा परिवार बर्बाद कर दिया. रैपर ने बताया कि शादी के 9-10 महीने काफी अच्छे थे. पर सफलता को संभाल नहीं सके और नशे के चलते परिवार से दूर चले गए. वो खुद मान चुके हैं कि शालिनी को छोड़कर चले गए थे और उन्हें पता भी नहीं था. खैर यह तो रही पर्सनल बातें. पर प्रोफेशनल लाइफ में भी नशे के चलते बहुत कुछ कर चुके हैं.

हनी सिंह ने नशे में प्रोड्यूसर के पेट में काट लिया ?

यो यो हनी सिंह नशे की हालत में ऐसे कई अजीब काम कर चुके हैं, जिसके चलते काफी ट्रोल होते रहे हैं. कुछ चीजें वायरल हो जाती हैं, तो कुछ के बारे में सिर्फ उनकी करीबी दोस्त और परिवार वाले की जानते होंगे. ऐसा ही एक किस्सा है, जो उनके दोस्त सुनील बोहरा के साथ हुआ था. अब खुद हनी सिंह ने एक इंटरव्यू के दौरान इसका खुलासा किया है. उन्होंने बताया कि जिन्होंने गैंग्स ऑफ वासेपुर प्रोड्यूस की है, वो सुनील बोहरा उनके अच्छे दोस्त हैं. वो देख चुके हैं कि मैं कितना वाइल्ड एंड क्रेजी हूं. हालांकि हनी सिंह ने इस बात को माना कि उन्हें काफी कुछ समझाते भी हैं.

जिस वाइल्डनेस की हनी सिंह इंटरव्यू में बात कर रहे हैं, वो यह है कि उन्होंने एक बार 6 चरस और उस पर डेढ़ बोतल दारू पीकर दोस्त सुनील बोहरा के पेट में काट लिया था. खुद हनी सिंह ने इस बात का खुलासा किया था. एक-दो बार नहीं बल्कि प्रोड्यूसर के पेट में 8 बार काटा था. आगे वो कहते हैं कि, सुनील ने अगले दिन पेट के निशान उन्हें दिखाए थे.

पसलियों में लगी चोट के बावजूद नहीं रुके सलमान खान, शुरू कर दी शूटिंग

टाइगर 3' के बाद अब सलमान खान के फैन्स को उनकी अपकमिंक फिल्म 'सिकंदर' का इंतजार है, जो कि 2025 में ईद के मौके पर रिलीज होगी. वैसे तो सलमान खान का नाम जुड़ जाने से ही फिल्म का एक्शन मोड ऑन हो जाता है. पर फिर भी बता दें कि जबरदस्त स्टारकास्ट के साथ ये फिल्म एक्शन से भरपूर होने वाली है. मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसके लिए 45 दिनों का शूटिंग शेड्यूल तय किया गया है. इसी बीच खबर ये भी है कि सलमान खान रिब इंजरी से जूझ रहे हैं, जिसके बाद फिल्म की शूटिंग को लेकर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं.कुछ वक्त पहले सलमान खान की हेल्थ को लेकर उनके फैन्स काफी परेशान थे, इसकी वजह इंटरनेट पर लगातार वायरल हो रहा उनका वीडियो था. इसमें देखा जा सकता है कि मुंबई में एक इवेंट के दौरान सलमान तकलीफ में हैं, जिसकी वजह उनकी रिब इंजरी है. शो में देखा गया कि बैठने उठने के वक्त उनका हाथ बार-बार उनकी पसलियों पर जा रहा था. जिसके बाद से 'सिकंदर' की शूटिंग को लेकर कई बातें सामने आ रही थीं. अंदाजा लगाया जा रहा था कि इस इंजरी की वजह से फिल्म की शूटिंग पर असर पड़ सकता है.

जरी के साथ भी कर रहे शूटिंग

हालांकि, भाई तो भाई हैं. इस इंजरी के साथ भी उन्होंने 'सिकंदर' की शूटिंग जारी रखी है. शूटिंग के दौरान सलमान की डेडिकेशन देख उनके फैन्स काफी इम्प्रेस हुए हैं. अपने दर्द को भूलकर सलमान खान ने अपनी कमिटमेंट पर टिके रहना ज्यादा सही समझा है. 'सिकंदर' में सलमान के कैरेक्टर को घमंडी और गुस्से वाला बनाया गया है. सलमान को इस रोल में देखना काफी दिलचस्प होने वाला है. शूटिंग के पहले फेज में सलमान खान जबरदस्त एक्शन करते दिखेंगे, वो इसके लिए मिशन इंपॉसिबल के एक्शन डायरेक्टर के साथ काम कर रहे हैं. फिल्म के इन अपडेट से ये तो पक्का होता है कि फिल्म में एक्शन सीक्वेंस और स्टंट का भरपूर डोज होने वाला है.

'बाहुबली' के 'कटप्पा' होंगे विलेन

'सिकंदर' पर फोकस करने के लिए सलमान ने अपने बाकी प्रोजेक्ट से हाथ पीछे खींच लिया है. हालांकि, अभी ये कंफर्म नहीं है कि वो 'बिग बॉस' की होस्टिंग करेंगे या नहीं. 45 दिन के इस शूट के बीच से सेट से कई सारी फोटोज सामने आ रही हैं, जिसको देखते हुए एक्साइटमेंट और बढ़ती जा रही है. पिंकविला के सोर्स के मुताबिक, फिल्म के पहले फेज की शूटिंग के लिए मुंबई के एक स्टूडियो में बड़ा सेट लगाया गया है. सेट को बनाने में तीन महीने से ज्यादा का समय लगा है. 'सिकंदर' के पहले फेज की शूटिंग जून से शुरू हो गई है. फिल्म में सलमान खान की हीरोइन के तौर पर रश्मिका मंदाना नजर आने वाली हैं. साथ ही साथ 'बाहुबली' में 'कटप्पा' का किरदार निभाने वाले सत्यराज इसमें विलेन के तौर पर शामिल हैं.

अंकिता लोखंडे-विक्की जैन

बने 'मम्मी'- 'डैडी', घर आया नन्हा मेहमान

अंकिता लोखंडे और विक्की जैन टीवी की दुनिया के सबसे फेवरेट कपल्स में शुमार हैं. बिग बॉस में नजर आने के बाद से इस कपल को बेशुमार लोकप्रियता मिली. अब इस कपल के घर एक नया मेहमान आ चुका है. अंकिता लोखंडे और विक्की जैन पेट पैरेंट्स बन गए हैं. उन्होंने एक छोटी सी किटेन को गोद लिया है.'पवित्र रिश्ता' से सुर्खियां बटोर चुकीं अंकिता लोखंडे ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर अपने घर आए नए सदस्य की झलकियां साझा की हैं. वह वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखती हैं, 'हमारे परिवार में हमारी छोटी राजकुमारी माऊ लोखंडे जैन का स्वागत है. आप हमारे परिवार में सबसे नई सदस्य हैं. मम्मी और डैडी आपसे अभी से बहुत प्यार करते हैं'.

लिखा इमोशनल पोस्ट

वह आगे लिखती हैं, 'आपकी छोटी-छोटी म्याऊं और दुलार ने हमारा दिल चुरा लिया है. आपके छोटे पंजे हमारे जीवन में अपार खुशियां और खुशियां लाएं. हमें बहुत-बहुत बधाई हो. हम प्राउड पेरेंट्स हैं. हम तुम्हारे साथ एडवेंचर, खुशियों के पल बिताने के लिए काफी उत्साहित हैं. हमारी प्यारी बेटी हम तुमसे अभी से बहुत प्यार करते हैं. 'बता दें कि अंकिता लोखंडे और विक्की जैन ने 14 दिसंबर, 2021 को धूमधाम से शादी की थी. कपल की शादी की रस्मों में कंगना रनौत भी शामिल हुई थीं. ये जोड़ी साथ में 'लाफ्टर शेफ्स- अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में भी नजर आई. अंकिता लोखंडे और विक्की जैन ने शो में एक केक पर अपनी फैमिली की फोटो बना नए मेहमान को लाने का हिंट दिया था. इस शो में कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, निया शर्मा, जन्नत जुबैर रहमानी, रीम शेख, सुदेश लहरी और कश्मीरा शाह भी नजर आ रहे हैं.

जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे पीड़ित लोगों ने जन अधिकारों से बंचित मजरा शुखारी का पुरवा अंश नौगंवा में पक्की सड़क बनवाये जाने हेतु दिया लिखित शिकायत पत्र

बांदा - आपको बता दें कि पूरा मामला जिला कलेक्ट्रेट परिसर कार्यालय बांदा का है जहां पर मंगलवार को ग्राम सुखारी का पुरवा अंश नौगवाँ परगना व तहसील नरैनी जिला बाँदा के स्थाई निवासी हैं। हमारा मजरा सुखारी का पुरवा अंश नौगंवा बहुत ही इन्टीरियर क्षेत्र में बना हुआ है। वहाँ पर पहुँचने के लिये भाऊ सिंह के पुरवा से कच्चा रोड जाता है जिसकी लम्बाई 4 किमी0 है। सदियों से इसी कच्चे रोड से लोग दुःख भरी जिन्दगी जीते चले आ रहे हैं आज तक पक्की रोड नहीं बनवायी गयी है। बरसात मैं गर्भवती महिलाये तथा मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते हैं तथा बच्चों की पढाई का भारी नुकसान होता है। कई बार उच्च अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से प्रार्थना की गयी लेकिन आज तक कोई भी अधिकारी व नेता हमारे मजरे में झाँकने नहीं आता है, अगर आज कोई बीमार हो जाये तो रास्ते में ही मृत्यु हो सकती है। उक्त कच्चे मार्ग से निकलने में बरसात में ट्रैक्टर मिट्टी में फँस जाता है यहाँ तक कि साइकिल भी मिट्टी में फस जाती है। बरसात में आवागमन

पूरी तरह से बन्द हो जाता है। पीड़तिगणो ने दिनांक 21.08.2024 को उपजिलाधिकारी , नरैनी को लिखित शिकायत पत्र दिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि 07 दिन के अन्दर आपके उक्त रास्ता ं मोरम, गिट्टी पडना शुरू हो जायेगी 07 दिन के बाद काम न शुरूहोने पर दिनांक 02.09.2024 को पीड़ति गण पुनः एसडीएम साहब के पास गये तो एस0डी0एम0 साहब दिनांक पर दिनाँक दे रहे हैं। यदि 05 दिन के अन्दर हमारे गाँव मैं स?क में मोरम, गिट्टी आदि का काम शुरू नहीं होता तो इसके बाद प्रार्थीगण अशोक लाट के पास अमरण अनशन करने के लिये बाध्य हो जायेंगें। यदि अनशन के दौरान प्रार्थीगण के साथ कोई अनहोनी घटना घटती है तो उसके जिम्मेदार श्रीमान जिला अधिकारी महोदय होगें। अतः श्रीमान प्रार्थना है कि प्रार्थीगण की उपरोक्त विषय समस्या को देखते हुए प्रार्थीगण के ग्राम मजरा सुखारी पुरवा नौगांवा की कच्ची सडक मैं अतिशीघ्र मोरम-गिट्टी आदि डलवाते हुए पक्की सडक बनाये जाने की कृपा की जाय। क्यों कि आजादी के इतने दिन बाद भी उक्त मजरा विकास कार्यो से पूरी तरह से बंचित है। महान दया होगी।इस दौरान ज्ञापन देने में समाजसेविका शालिनी पटेल के साथ प्रह्लाद, प्रमोद, रामकिशोर, नीरज, मुन्नीलाल, अरविंद, राजकुमार पाठक, श्रीपाल, रोहित पटेल, विनोद कुमार सहित अन्य ग्रामीण लोग उपस्थित रहे।

जेल में बंद माता-पिता को न्याय दिलाने कलेक्टर के पास पहुंची 17 वर्षीय 12वीं की छात्रा

पत्रकार हरिओम परिहार

शिवपुरी जिले के खनियाधाना थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम राजनगर खनियाधाना में रहने वाली 17 वर्षीय 12वीं की छात्रा सुहानी परिहार ने जानकारी देती हुए बताया कि रणजीत सिंह किसी व्यक्ति के द्वारा लोअर सिंचाई परियोजना के तहत उसके माता-पिता दोनों के खाते में घोटाले के पैसे का ट्रांजेक्शन करा दिया। जिससे प्रशासन ने उसकी माता-पिता को आरोपी करार देते हुए जेल में डाल दिया। जबकि उसके माता पिता निर्दोष है। माता पिता के जेल जाने से उसे एवं उसके 15 वर्षीय भाई को काफी तकलीफो का सामना करना पड़ रहा है। जिसकी शिकायत आज उसने शिवपुरी कलेक्टर से करते हुए मदद की गुहार लगाई है।

द्वारा कलेक्टर/एसडीएम/तहसीलदार

किसानों की आर्थिक परेशानियों, बिजली दलो में बेतहाशा वृद्धि, खस्ता हाल सड़के, महिलाओं, बालिकाओं से दुराचार, अजा, अजजा, अल्पसंख्यक वर्गों पर अत्याचार आदि मुद्दों को लेकर।

पत्रकार हरिओम परिहार

मध्यप्रदेश की वर्तमान स्थिति से प्रदेश के संवैधानिक मुखिया होने के नाते आप भली प्रकार अवगत है। प्रदेश की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार घोटाले, भ्रष्टाचार, जन विरोधी, किसान विरोधी एवं बिगड़ती कानून व्यवस्था, महिलाओं, बालिकाओं के साथ दुराचार, अजा, अजजा, अल्पसंख्यक वर्गों पर अत्याचार आदि मुद्दों पर पूर्णतः निष्क्रिय रही है। पूरे प्रदेश में त्राहि-त्राहि की स्थिति बनी हुई है, इन सभी समस्याओं की और आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए आज दिनांक 4 सितम्बर, 2024 को कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में ब्लाक स्तर पर धरना-प्रदर्शन कर रही है, और इस ज्ञापन के माध्यम से आपको समुचित कार्यवाही करने का आग्रह करती है ।आपको विदित ही है कि भारी वर्षा, खाद बीज की कमी से किसानों की फसले खासतौर पर सोयाबीन, उडद, धान एवं अन्य दलहन खराब हो गई है और किसान इस समय भारी आर्थिक परेशानी से जूझ रहा है। सरकार द्वारा उनकी फसलों को 10 वर्ष पुराने भाव में आज भी खरीद रही है, किसानों को भारी भरकम बिजली के बिल दिए गए है,

शेरगढ़ बीट में अवैध उत्खनन: वन विभाग के अधिकारियों पर लगे गंभीर आरोप

दैनिक पुष्पांजलि टुडे से सतीश परिहार

शिवपुरी ।सानवाड़ा रेंज के शेरगढ़ बीट में अवैध उत्खनन का मामला सामने आया है, जहां पर डिप्टी रेंजर और बीट गार्ड पर लाल मुरम के उत्खनन में संलिप्तता के आरोप लगे हैं स्थानीय निवासियों और पर्यावरण प्रेमियों ने आरोप लगाया है कि ये अधिकारी पैसा लेकर क्षेत्र में मशीनों और ट्रैक्टरों से लाल मुरम का अवैध उत्खनन करवा रहे हैं इस गतिविधि से न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को भी खतरा उत्पन्न हो रहा है

अवैध उत्खनन से पर्यावरण को नुकसान-लाल मुरम का उत्खनन एक प्राकृतिक संसाधन है, जिसका उपयोग सड़कों और निर्माण कार्यों में किया जाता है हालांकि, इसका अवैध उत्खनन वन क्षेत्रों में गंभीर पर्यावरणीय समस्याएं पैदा कर सकता है वन क्षेत्रों में उत्खनन से मिट्टी का कटाव, जल स्रोतों का क्षरण, वनस्पतियों का विनाश, और वन्यजीवों के लिए संकट उत्पन्न होता है इस प्रकार के अवैध कार्य से न केवल पर्यावरण असंतुलित हो जाता है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयास भी विफल होते हैं

वन विभाग के अधिकारियों पर लगे आरोप-स्थानीय निवासियों का आरोप है कि शेरगढ़ बीट के डिप्टी रेंजर और बीट गार्ड, जो कि क्षेत्र की देखरेख और वन संरक्षण के लिए जिम्मेदार हैं, वे खुद इस अवैध उत्खनन में शामिल हैं बताया जा रहा है कि इन अधिकारियों ने लाल मुरम का उत्खनन करवाने के लिए मशीनों और ट्रैक्टरों को चलाने की अनुमति दे रखी है और इसके बदले मोटी रकम वसूल की जा रही है यह सीधे तौर पर वन कानूनों का उल्लंघन है और विभागीय नियमों के विरुद्ध है

जर्जर भवन के नीचे संचालित हो रही कक्षाएं छत की लगातार चटक रही परत, जिम्मेदार मौन

नए सत्र के रूप में 15 जून से जिले भर में स्कूलों के दरवाजे स्कूली बच्चों के लिए खोल दिए जाते हैं जिसमें नवीन कक्षाओं में प्रवेश लेने के साथ नए बच्चों का भी स्कूल में पदार्पण होता है दो माह तक स्कूल बंद के दौरान शासन स्तर पर नए सत्र संचालन से पूर्ण तैयारी के निर्देश के बाद भी जिले के अधिकांश स्कूल बदहाली में पुनः संचालित हैं।जिसमें जनपद पंचायत चितरंगी अंतर्गत ग्राम पंचायत बैरदह के ग्राम चोलार में संचालित प्राथमिक विद्यालय काफी जर्जर स्थिति में है जिसके कारण यहां अध्यनरत छात्र-छात्राओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है विद्यालय भवन की छत लगातार चटक रही है जिससे छात्र-छात्राओं के जान को खतरा भी हो सकता है।इसके बाद भी सर्व शिक्षा अभियान विभाग इस भवन की मरम्मत पर

कोई ध्यान नहीं दे रहा है भवन की स्थिति का आकलन उसके बाहरी दीवारों से ही समझा जा सकता है जबकि भवन के अंदर रंग रोंगन से कमरे की जीर्ण शीर्ष को छीपाने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन बारिश के दौरान सीलन और लगातार छत से चटक रही सीमेंट की परत उसकी जर्जरता को बयां कर जाती है।वही विद्यालय के अध्यापकों ने बताया कि स्कूल भवन काफी जर्जर स्थिति में है जिसके छत से प्लास्टर के टुकड़े आए दिन गिरने की वजह से बच्चों के घायल होने का डर भी बना रहता है इसके साथ ही बारिश वाले दिन छत से पानी टपकने के कारण कक्षा में जल भराव हो जाने से बैठने की भी जगह नहीं रह जाती।

मरम्मत पर विभाग नहीं दे रहा ध्यान-विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि जर्जर विद्यालय को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों को जानकारी दी गई है जिसके बाद भी मरम्मत के लिए कोई बजट प्रदान नहीं किया जा रहा है।

रामलीला संस्थान द्वारा प्रेसवार्ता कर किया नवीन कार्यकारिणी गठन

कोसीकलां। उत्तर भारत के प्रसिद्ध मेलों में शुमार श्री राम भरतमिलाप मेले को लेकर रामलीला संस्थान के अध्यक्ष द्वारा पत्रकार वार्ता कर नवीन कार्यकारिणी का गठन कर तैयारियां शुरू कर दी हैं।शहर में संचालित होने वाली रामलीला को भव्य और दिव्य रूप देने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसे लेकर मंगलवार को श्रीराम लीला संस्थान द्वारा प्रेसवार्ता कर नवीन कार्यकारिणी का गठन पूर्व रामलीला अध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय के आवास पर हुआ। जिसमें रामलीला संस्थान के अध्यक्ष अजय मंगला ने संस्था के सभी सदस्यों की सर्व सम्मति से इस वर्ष की रामलीला के सफल आयोजन के लिए नई कमेटी का गठन किया। बैठक में कमेटी के नए सदस्य को नई जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यकारिणी के गठन में हरेंद्र पाल सिंह समंवयक, अजय गोयंका जितेंद्र चौधरी अजय कुमार मंगला, कैलाशचंद उर्फ पिंटू नेता उपाध्यक्ष, अरुण कुमार शर्मा मंत्री, मयंक प्रताप सिंह मनीष जैन कोषाध्यक्ष, अमित कुमार गुप्ता उप कोषाध्यक्ष, मनीष गुप्ता निरीक्षक, हिमांशु अग्रवाल सीए उप निरीक्षक, विवेक बंसल मोहनदत्त शर्मा उप संगठन मंत्री, ऋषि मंगला सीए मीडिया प्रभारी, गौरव अग्रवाल सह मीडिया प्रभारी, जमुना प्रसाद मिश्रा मंच संचालक, दीपक सोनी प्रचार मंत्री, सोनू हलवाई रसोई व्यवस्थापक, शैलू सारस्वत मेला व्यवस्थापक सहित एक दर्जन से अधिक लोगों को अन्य जिम्मेदारी दी गई। बैठक में इस वर्ष भी भव्य धार्मिक आयोजन को सफल बनाने का प्रयास करने के लिए अभी से तैयार रहने के लिए संकल्प लिया।वही अजय मंगला ने बताया तेयरिया चल रही है 28 सितंबर को झंडा पूजन के साथ महोत्सव शुरू होगा राम बारात काली मेला भव्य और दिव्या निकाला जाएगा जिसके लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गई है

संयुक्त प्रेस क्लब पर विदाई समारोह में भावुक हुए अपर पुलिस अधीक्षक

तीन वर्ष का कार्यकाल रहा बेमिसाल सभी पत्रकारों ने की सराहना

उत्तर प्रदेश के एटा जनपद मुख्यालय पर आज पत्रकारों ने अपर पुलिस अधीक्षक धन्नजय कुशवाहा का संयुक्त प्रेस क्लब कार्यालय शहीद पार्क पर एटा से लखनऊ कमिशनरेट स्थानान्तरण हो जाने पर उन्हें विदाई दी गयी और उनके एटा में तैनाती के लगभग तीन वर्ष के कार्यकाल पर प्रकाश डाला। संयुक्त प्रेस क्लब पर आयोजित विदाई समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक धनंजय कुशवाहा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मेरे लिए यह अति सम्मान की बात है कि मुझे रिपोर्टरों यानी पत्रकारों द्वारा प्रेस क्लब पर विदाई के लिए आमंत्रित किया गया है। प्रेस क्लब द्वारा आमंत्रित करना भी भाग्य की बात है ।आदमी समाज में बड़े ऑफिस में इनवाइट हो जाए ,किसी बड़े समारोह में इनवाइट हो जाए जैसे अमेरिका के राष्ट्रपति को वहां के तमाम बिजनेशमैन -बिजनेश घरानों में इनवाईट हो जाए उनके लिए वह महत्व की बात नहीं हो सकती। लेकिन अगर यह किसी लेखक के यहां इनवाइट हो जाएं तो महत्व की बात है । आज मैं अपने को इतना ही सम्मानित महसूस कर रहा हूं जितना अमेरिका के राष्ट्रपति किसी शिखर सम्मेलन में सम्मानित हो अपने को सम्मानित महसूस करेंगे और आप सभी लोगों के सहयोग से जनपद का क्राइम कंट्रोल हुआ तथा क्राइम कंट्रोल डेवलपमेंट में प्रदेश में एटा ने स्थान पाया इसमें भी आप सभी की शुभकामनाएं और मंशा शामिल थी ,कोई माने या न माने में यह बात मानता हूँ। अन्त में उन्होंने कहा कि एक अफसर की असली कमाई क्या होती है वह तब महसूस होता है जब आपकी बोलते बोलते आवाज भारी हो जाती है और आंखें नम हो जाती है इससे अधिक कमाई क्या हो सकती है।

संयुक्त प्रेस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष सुनील मिश्रा ने विदाई समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अपर पुलिस अधीक्षक धनन्जय कुशवाहा जी का एटा में तैनाती का कार्यकाल काफी सराहनीय , बेमिसाल एवं जन सहयोगात्मक रहा उनके कार्यकाल में चाहे पत्रकार हो ,चाहे जनप्रतिनिधि हो, चाहे जनता हो सभी से उनका सहयोगात्मक व्यवहार रहा उनके पास जो भी पहुँच गया वह संतुष्ट होकर ही लौटा उन्होंने ईमानदारी से अपने फर्ज को अजांम दिया। उन्होंने एटा के अपने कार्यकाल में कई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भी बदल दिये । किंतु यह अपनी कार्य शैली से सभी के चहेते रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी अधिकारी एवं नेता की असली कमाई उसका व्यवहार व उसके काम करने का तरीका है ताकत वर या ऊंची पहुंच वाले का तो सभी काम करते हैं ,किंतु कुशवाहा जी ने जनता दरबार में आने वाले

सभी का कार्य किया पत्रकारों से उनका एक परिवार के सदस्य जैसा व्यवहार रहा यह एक दूसरे से इतने घुल मिल गये कि सभी उनपर अपना अधिकार समझते थे और वह उन्हें संतुष्ट भी करते थे। उन्होंने कई बड़े मुद्दे भी अपने अच्छे व्यवहार से ही सुलझा दिये उनके कार्य काल में पूरे जनपद मुख्यालय पर सीसीटीवी कैमरे लगवाये जो अपराध कम करने में सहयोगी रहे, उनका कार्यकाल सभी को हमेशा याद रहेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार नेत्रपाल सिंह चौहान ने अपने उद्बोधन में कहा आज विदाई की वेला में मन दुखी भी हो रहा है आंखें नम है हमारे बीच से एक अच्छे अधिकारी विदा हो रहे हैं वह जहाँ भी रहें हमेशा ऐसे ही कार्य करते रहे और लोगों के दिल में अपना स्थान बनाये रखें। पत्रकार मदन गोपाल शर्मा ने कहा की आज अपर पुलिस अधीक्षक का संयुक्त प्रेस क्लब पर जो विदाई समारोह रखा गया है यह काफी अच्छी पहल है ऐसे अच्छे अधिकारी जब भी कोई जनपद में आए जिनका कार्यकाल अच्छा हो जिनसे जनता प्रसन्न हो ,हम प्रसन्न हो उनका मान सम्मान करना चाहिए वह जहां भी रहे उनका जनसंपर्क इससे भी अच्छा रहे जनसंपर्क से अधिकारी की इच्छाशक्ति में वृद्धि होती हपत्रकार आ ंवी दुबे ने कहा कि धनन्जय कुशवाहा पत्रकारों के हितेषी तथा जन प्रिय अधिकारी रहे आप सभी पत्रकारों के दिल में बसते हैं आप एक ऐसे अधिकारी हैं जिनका ट्रांसफर होने पर आम जनता को भी बुरा लगा ,उन्होंने बताया आपके ट्रांसफर के बाद मेरे पास एक अवागढ़ क्षेत्र से फोन आया वह पूछ रहा था कि अपर पुलिस अधीक्षक का ट्रांसफर हो गया मैने बताया हां तो वह काफी असहाय सा महसूस करने लगा उसने आपकी कार्य शैली के बारे में बताया कि थाना अवागढ़ पुलिस मेरा एक मुकद्मा नहीं लिख रही थी तो मैं अपर साहब से मिला उन्होंने उन्हें अपनी समस्या बताई तो उन्होंने थाने फोन करके मेरी रिपोर्ट लिखवाई और कार्य वाही कराई। पत्रकार विशन पाल सिंह ने कहा आपके कार्यकाल के 3 वर्ष कब बीत गए यह पता ही नहीं चला आपके मीडिया से जो मधुर संबंध रहे उनके लिए आभार।

पत्रकार राजाराम यादव ने कहां कि हमारे आपसे बहुत नजदीक के संपर्क तो नहीं रहे किंतु हमने हर क्षेत्र में चाहे राजनीतिक रहा हो सांस्कृतिक रहा हो, पत्रकार साथियों से भी यह सुनने को आया कि अपर साहब के काम करने का तरीका बहुत अच्छा है अधिकारियों की कुछ मजबूरियां भी होती हैं कि वह कौन सा काम कर सकते हैं और कौन सा नहीं हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए पत्रकार संदीप दीक्षित ने कहा की आपसे मिलकर ऐसा लगता था कि आप हर आदमी के नजदीक थे हर आदमी के अपने थे आज आपके जाने पर प्राण हरण जैसा महसूस हो रहा है।

पत्रकार प्रदीप वर्मा ने भी 3 साल के कार्यकाल को बहुत सराहनीय बताया।

विदाई समारोह के अंत में संयुक्त प्रेस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष सुनील मिश्रा, संयुक्त सचिव मोहसिन मलिक, संगठन मंत्री संदीप शर्मा वैभव वाष्णेय आदि पत्रकारों ने संयुक्त प्रेस क्लब की ओर से स्मृति चिन्ह,शाल तथा माला पहनाकर सम्मानित किया। माल्यार्पण करने वालों में प्रमुख रूप से नेत्र पाल सिंह चौहान ,आर वी दुबे, मोहसिन मलिक, विशनपाल सिंह चौहान, वीरेंद्र गहलौत ,मदन गोपाल शर्मा ,राजाराम यादव, अरुण उपाध्याय, संदीप शर्मा, अक्षित मिश्रा,संदीप दीक्षित,प्रदीप वर्मा,वैभव वाष्णेय, ज्ञानेंश कुमार, अशोक शर्मा, , कुनाल सोलंकी धर्मेन्द्र कुमार,रवीश गोला,राहुल वर्मा, करन प्रताप भूदेव मिश्रा आदि लोग शामिल थे।

दिल्ली में पुलिस ने 16 अगस्त तक ड्रोन और पैरा ग्लाइडिंग पर लगाई पाबंदी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा कारणों के चलते 2 से 16 अगस्त तक ड्रोन और पैरा ग्लाइडिंग आदि पर प्रतिबंध लगा दिया है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा की ओर से जारी आदेश के मुताबिक अगर कोई पैराग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग-ग्लाइडर, मानव रहित वायुयान (यूएवी), रिमोट चालित एयरक्राफ्ट, हॉट एयर बैलून, छोटे आकार के पावर्ड एयरक्राफ्ट या विमान से पैरा-जंपिंग आदि के जरिये आम लोगों, गण्यमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को खतरा पैदा करता है तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

स्वतंत्रता दिवस पर आतंकी खतरे का खुफिया अलर्ट आने के बाद लालकिला व आसपास के इलाके में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए लालकिले की आर्तारिक घेर की सुरक्षा की कमान स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) को दी जाएगी। इसके साथ ही एनएसजी कमांडो फोर्स और अर्धसैनिक बलों की टीम की भी तैनाती की जाएगी है। सुरक्षा को अभेद्य बनाने की कवायद में लालकिला के अंदर व बाहर के पेड़ों की सांकेतिक कोडिंग कर 'सुरक्षा खाका' तैयार किया गया है। इन पेड़ों का कोड निर्धारित कर करीब 3200 सुरक्षा प्वाइंट बनाए गए हैं, जहां से स्पेशल कमांडो दस्ते संदिग्धों पर पैनी नजर रखेंगे। इसके अलावा हेलीकाप्टर पर अत्याधुनिक हथियारों से लैस कमांडो टीम आकाश मार्ग से सुरक्षा की कमान संभालेगी।

छत्रपति शिवाजी महाराज के युग के 12 किलों को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाएगा

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने छत्रपति शिवाजी महाराज युग के 12 किलों को विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने का ऐलान किया है।उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के सैन्य इलाके की अनूठी विरासत को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि शिवाजी महाराज के किले सिर्फ वास्तुकला नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक विरासत हैं। राज्य सरकार निश्चित रूप से इस विरासत को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए सभी आवश्यक प्रयास करेगी। सह्याद्री गेस्ट हाउस में शुक्रवार को 'भारत के मराठा सैन्य क्षेत्र' के विश्व धरोहर नामांकन को लेकर राज्य सरकार के सांस्कृतिक कार्य विभाग और पुरातत्व एवं संग्रहालय निदेशालय की बैठक हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की ओर से महाराष्ट्र के सैन्य इलाके की अनूठी विरासत को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव भेजा गया है। इनमें महाराष्ट्र में सलहेर, शिवनेरी, लोहगढ़, रायगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला, विजयदुर्ग, सिंधुदुर्ग, खंडेरी, राजगढ़, प्रतापगढ़ जैसे 11 किले और तमिलनाडु में जिंजी जैसे 12 किले शामिल हैं।

वायनाड में सेना ने प्रशिक्षित कुत्तों की मदद से शुरू की मलबे में 'जिंदगी' की तलाश

नई दिल्ली। वायनाड में सेनाओं की ओर से बचाव कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। भूस्खलन के बाद मलबे में तब्दील हुए मकानों में शुक्रवार से प्रशिक्षित कुत्तों की मदद से 'जिंदगी' की तलाश शुरू की है लेकिन ज्यादातर शव ही मिल रहे हैं, जिन्हें स्थानीय प्रशासन को सौंपा जा रहा है। खराब मौसम, बढ़ते जलस्तर और सीमित स्थान के बीच भारतीय सेना के मद्रास सैपर्स ने 16 घंटे के रिकॉर्ड समय में 24 टन क्षमता वाले 190 फीट बेली ब्रिज का निर्माण पूरा कर यातायात के लिए खोल दिया है। इरुवानिपझा नदी पर चूरलमाला को मुंडक्कई से जोड़ने वाला यह पुल सेना ने नागरिक प्रशासन को सौंप दिया है। वायनाड में भूस्खलन के बाद शुरू किये गए बचाव एवं राहत कार्य लगभग पूरे कर लिए गए हैं। मलबे में तब्दील हुए आबादी क्षेत्र में अब जिंदा बचे लोगों या फिर शवों की खोजबीन शुरू की गई है। सेना का आज सुबह 7:00 बजे डॉग स्क्वॉड के साथ तलाशी अभियान फिर से शुरू हुआ। सेना ने एक बयान में कहा कि ह्यूमन्स बेस्ट फ्रेंड वायनाड में मलबे के नीचे फंसे इंसानों को खोजने के लिए इंसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करता है। भारतीय सेना के तीन लैब्राडोर कुत्ते जाकी, डिक्सी और सारा कीचड़ या बारिश की परवाह किए या बिना थके जीवन की तलाश में लगे हुए हैं। भारतीय सेना के तीनों खोजी और बचाव कुत्ते अपने मिशन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से प्रेरित हैं और अपनी सूंघने की बेजोड़ शक्ति से मलबे और गाद की गहराई में देख रहे हैं।

पूर्वी रेलवे के महाप्रबंधक ने किया भागलपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

भागलपुर। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद के. देउस्कर ने शुक्रवार को मालदा मंडल के किउल, जमालपुर, भागलपुर, साहिबगंज और बरहरवा खंड का निरीक्षण किया। ताकि सुरक्षा पहलुओं की स्थिति और यात्री सुविधाओं की स्थिति की जांच की जा सके। निरीक्षण सुबह-सुबह किउल और जमालपुर के बीच विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के साथ शुरू हुआ। भागलपुर दौरे के दौरान पूर्वी रेलवे के महाप्रबंधक ने भागलपुर में यात्री सुविधाओं, ओएसओपी (एक स्टेशन एक उत्पाद) स्टॉल, रनिंग रूम, कोचिंग सुविधाओं, भागलपुर बाईपास लाइन और चल रहे यार्ड रीमॉडलिंग कार्य का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने विभिन्न यात्री संघों के जनप्रतिनिधियों से भी बातचीत की। महाप्रबंधक श्री देउस्कर ने भागलपुर में जमालपुर-भागलपुर सेक्शन में चल रहे विकास कार्यों के बारे में प्रेस और मीडिया को भी जानकारी दी।

नीट पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अमित मालवीय ने साधा राहुल गांधी पर निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली । नीट एग्जाम में हुई अनियमितता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, -ये कोई व्यवस्थागत विफलता नहीं थी, इसलिए दोबारा परीक्षा नहीं कराई जा सकती। कोर्ट ने कहा, यह लीक महज पटना और हजारीबाग में ही हुई है। ऐसे में दोबारा परीक्षा कराने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। बता दें कि कोर्ट ने यह सुनवाई दोबारा से परीक्षा कराने के सवाल पर किया था। इससे पहले, 23 जुलाई को भी सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सुनवाई की थी। कोर्ट ने इस बात को स्वीकार किया था कि परीक्षा की प्रणाली में किसी भी प्रकार की खामी नहीं हुई है। ऐसे में दोबारा परीक्षा कराने का कोई मतलब नहीं है। कोर्ट के इस फैसले पर बीजेपी नेता अमित मालवीय ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा,

-तीसरी बार असफल राहुल गांधी को संसद में देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने जानबूझकर राजनीतिक लाभ के लिए देश की परीक्षा प्रणाली में छात्रों के विश्वास को नष्ट करने के अवसर का उपयोग किया। ठीक वैसे ही जैसे वह सशस्त्र बलों, न्यायपालिका और ईसीआई जैसी अन्य संस्थाओं में लोगों के विश्वास को कमजोर करने की कोशिश की। उन्हें छात्र समुदाय से माफ़ी मांगनी चाहिए और उन्हें अपनी इस तरह की राजनीति से दूर रखना चाहिए। राहुल गांधी कई बार नीट एग्जाम में हुई धांधली को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साध चुके हैं। यही नहीं, बीते दिनों उन्होंने संसद में भी इस मसले का जिक्र कर मोदी सरकार को घेरा था, लेकिन अब जब सुप्रीम कोर्ट ने यह मान लिया है कि नीट परीक्षा में कोई धांधली नहीं हुई है, तो बीजेपी कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। खासकर राहुल गांधी इस हमले के केंद्र में हैं। इससे पहले, गुरुवार को सीबीआई ने नीट परीक्षा में हुई अनियमितता को लेकर आरोपपत्र भी दाखिल किया था। इसमें मुख्य रूप से नीतीश कुमार और अमित आनंद दो मुख्य आरोपी बनाए गए है, जबकि आरोपपत्र में चार अन्य आयुष कुमार, अनुराग यादव, अभिषेक कुमार और शिवनंदन कुमार भी शामिल हैं। बिहार के दानापुर नगर परिषद के जूनियर इंजीनियर सिकंदर यादवेंदु का भी नाम भी इसमें शामिल है।

दिल्ली में एक और हादसा: भरभराकर गिरी इमारत, चार को बचाया

नई दिल्लीजहांगीरपुरी औद्योगिक क्षेत्र में एक इमारत भरभराकर गिर गई। सूचना मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस और दमकल की पांच गाड़ियां वहां पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने अन्य सिविक एजेंसी के कर्मचारियों की मदद

से मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया है। एक महिला को मलबे से बाहर निकालकर पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल अधिकारियों का कहना है कि मलबे के नीचे और भी लोग फंसे हो सकते हैं। जिन्हें निकालने का काम किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश के छतरपुर में कुएं में जहरीली गैस का रिसाव, चार लोगों की मौत

एजेंसी

छतरपुर । मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में शुक्रवार को चार लोगों की मौत हो गई। बताया जाता है कि गढ़ी मलहरा थाना क्षेत्र के कुर्रहा गांव में एक कुएं में दम घुटने से चारों की जान गई। जानकारी के अनुसार, कुर्रहा गांव के गुरार मोहल्ले स्थित एक घर में बने कुएं में सफाई करने घर के मालिक उसमें उतरे थे, लेकिन वहीं बेहोश हो गए। इसके बाद उन्हें बचाने के लिए एक और शख्स कुएं में उतरा और वह भी बेहोश हो गया। इसके बाद घर के लोगों ने शोर मचाया तो मोहल्ले के लोग वहां आएं और एक-एक करके दो और लोग कुएं में उन्हें बचाने के लिए उतरे और वह भी बेहोश हो गए।

घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। गढ़ी मलहरा थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस की टीम ने चारों लोगों को कुएं से बाहर निकाला और इलाज के लिए छतरपुर जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में रोख बशीर, रोख असलम, रोख अल्ताफ और मुन्ना कुशवाहा

शामिल हैं। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छाया हुआ है। बताया जा रहा है कि कुएं में जहरीली गैस के रिसाव की वजह से हादसा हुआ है। जिला अस्पताल के डॉक्टर ने भी कुएं में जहरीली गैस रिसाव होने की आशंका जताई। मृतकों के शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

मृतकों के परिजनों का आरोप है कि उन्होंने पुलिस और एम्बुलेंस दोनों को सूचना दी थी। लेकिन, दोनों ने मौके पर पहुंचने में काफी देर कर दिया। बता दें कि मध्य प्रदेश में कुएं में उतरने से होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। यह कोई पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी कुएं में उतरने से कई लोगों की मौत का मामला सामने आया है। कुछ महीने पहले ही एमपी के कटनी, छत्तीसगढ़ के कोरबा और सक्ती जिले में भी कुएं में उतरने से कई लोगों की मौत हुई थी।

भाजपा का बुलडोजर अब दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी चलने लगा : अखिलेश

एजेंसी

लखनऊ । दिवंगत पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी की जयंती पर उनके पैतृक गांव में प्रतिमा लगाने के लिए बन रहे चबूतरे को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया है। बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत की भूमि पर बिना अनुमति के चल रहे निर्माण पर यह कार्यवाही हुई है। इसे लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, 'अब तक भाजपा का बुलडोजर दुकान-मकान पर चलता था, अब दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी चलने लगा है। चिल्लूपार के सात बार विधायक रहे उप्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. श्री हरिशंकर तिवारी जी की जयंती पर उनकी प्रतिमा के प्रस्तावित स्थापना स्थल को भाजपा सरकार द्वारा तुड़वा देना, बेहद आपत्तिजनक कृत्य है। प्रतिमा स्थापना स्थल का तत्काल पुनर्निर्माण हो, जिससे जयंती दिवस 5 अगस्त को प्रतिमा की ससम्मान स्थापना हो सके। निंदनीय।इससे पहले दिवंगत हरिशंकर के बेटे और पूर्व सांसद

भीष्म शंकर तिवारी उर्फ कुशल ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा कि यह राजनैतिक अराजकता है, प्रशासनिक गुंडई है या सत्ता का अहंकार, नीचता निकृष्टता की पराकाष्ठा या व्यक्तिगत शत्रुता ब्राह्मण, स्वाभिमान को चुनौती या समूची इंसानियत की हत्या, यह निर्णय समय पर चिल्लूपार विधानसभा के लोग तो करेंगे ही देश और प्रदेश के निवासियों को भी करना है। उन्होंने लिखा कि लगातार चिल्लूपार से सात बार विधायक और सन 1996 से 2007 तक उत्तर प्रदेश की भिन्न-भिन्न सरकारों में कैबिनेट मंत्री रहे सम्मान व स्वाभिमान के प्रतीक स्व. पण्डित हरि शंकर तिवारी के जन्म दिवस 5 अगस्त को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का मन बनाकर मेरे गांव टाड़ा के ग्राम प्रधान और ग्राम प्रबंध समिति के लोगों ने गांव के मुख्य द्वार का नामकरण उनके नाम पर करने और वहीं बगल में उनकी प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया। विधिक रूप से प्रस्ताव बनाकर उसे स्वीकृति के लिए उपजिलाधिकारी तहसील गोला को भेजा गया और अपनी तैयारी में लग गए। स्व. पंडित हरिशंकर तिवारी के कद पद प्रतिष्ठा सम्मान के अनुरूप उन्हें अपनी श्रद्धांजलि देने के लिए गांव के लोगों के अलावा अन्य कई वरिष्ठ नेताओं, पूर्व मंत्रियों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति होनी है।

लखीमपुर खीरी में चार कांवड़ियों की मौत: घाघरा नदी में डूबे दो सगे भाई, दो की सड़क हादसों में गई जान

एजेंसी

नई दिल्ली । लखीमपुर खीरी जिले में कांवड़ लेकर गोला गोकर्णनाथ जा रहे दो कांवड़ियों की मौत हो गई। पढुवा थाना क्षेत्र के गांव हरिपुरवा निवासी दोनों कांवड़िये घाघरा नदी में जल भरने के लिए उतरे थे। इसी दौरान डूबकर उनकी मौत हो गई। दोनों सगे भाई थे। घटना की खबर मिलते ही उनके परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के मुताबिक गांव हरिपुरवा निवासी रामलखन (20) और तेजपाल (18) पुत्र अंजनी शुक्रवार को सुबह ग्रामीणों के साथ कांवड़ लेकर गोला गोकर्णनाथ जाने को निकले थे। सभी कांवड़िये ढकिरवा घाट पर जल भरने घाघरा नदी में उतरे थे। बताते हैं कि जल भरने की दौरान रामलखन का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी डूबने

लगा। भाई को डूबता देख तेजपाल उसे बचाने को नदी में कूद गया। वह भी डूबने लगा। शोर सुनकर ग्रामीणों ने दोनों को नदी से निकाला और आनन-फानन सीएचसी निघासन लाए। जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बता दें जिले में बृहस्पतिवार रात से अब तक में अलग-अलग हादसों में चार कांवड़ियों की मौत हो चुकी है।

सड़क हादसों में दो कांवड़ियों की मौत

मोहम्मदी और खीरी थाना के नकहा क्षेत्र में हुए सड़क हादसों में दो कांवड़ियों की मौत हो गई। खीरी के नकहा क्षेत्र में कांवड़ लेकर जा रहा श्रद्धालु ट्रॉली के नीचे आ गया था। वहीं मोहम्मदी मार्ग पर भीखमपुर के पास पिकअप और बाइक के टकराने में कांवड़िया की मौत हुई है। दो कांवड़िये घायल भी हुए हैं। सीतापुर जिले की महोली कोतवाली के बड़ागांव निवासी आकाश (22) पुत्र रामकुमार, महोली के ही शिवा (17) नई बस्ती रेलवे गंज हरदोई निवासी 16 वर्षीय रितिक के साथ बाइक से कांवड़ लेकर गोला गोकर्णनाथ जा रहे थे। मोहम्मदी-गोला मार्ग पर भीखमपुर के पास इनकी बाइक पिकअप से टकरा गई।

हादसे में बड़ागांव निवासी आकाश की मौके पर मौत हो गई। शिवा और रितिक गंभीर रूप से घायल हो गए। उधर, सदर कोतवाली के शीतलापुर निवासी 35 वर्षीय पुनीत तिवारी पुत्र शिव शंकर नकहा चौकी के केवलपुरवा गांव के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली से गिर गया। उसके ऊपर से ट्रॉली का पहिया गुजर गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

ईडी की छापेमारी वाले राहुल गांधी के बयान पर भाजपा का पलटवार, कहा-जवाबदेही से बचने को हो रही बेतुका बयानबाजी

नई दिल्ली। ईडी की छापेमारी की योजना को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पलटवार किया है। भाजपा ने आज यहां कहा कि वायनाड भूस्खलन घटना में अपनी जवाबदेही से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की बयानबाजी हो रही है। भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि राहुल गांधी अपनी जवाबदेही से बचने के लिए इस तरह की अपुष्ट बातें कर रहे हैं। जिन बातों के स्रोत का पता नहीं, बस अपनी मर्जी से आरोप लगाते रहते हैं । साफ है वे वायनाड से लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने रणनीति के तहत ऐसा बयान दिया है। जब भी उनके सामने ऐसे कठिन सवाल या मुद्दे आते हैं, जिनका उनके पास कोई जवाब नहीं होता, तो वे उससे बचने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि वायनाड में संक्षिप्त उपस्थिति के बाद वे अपनी जिम्मेदारी से बचना चाह रहे हैं। वायनाड की इस घटना में 300 से अधिक लोग मारे गए हैं। उन्होंने वहां पिछले कई वर्षों में कुछ नहीं किया। आज वे वायनाड के मुद्दे और उसकी जवाबदेही की जांच से बचना चाहते हैं। पीड़ित कार्ड खेलना चाहते हैं लेकिन ऐसा बार बार नहीं कर सकते । राहुल गांधी लोगों को कुछ समय के लिए मूर्ख बना सकते हैं, लेकिन हर समय लोगों को मूर्ख बनाया नहीं जा सकता।

देश भर में बने एम्स को विकसित करने में समय लगेगा : नड्डा

एजेंसी

नयी दिल्ली । सरकार ने आज कहा कि देश के विभिन्न भागों में बनने वाले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का उद्देश्य, उन भागों में, दिल्ली के एम्स के स्तर की चिकित्सा सुविधाएं विकसित करने का है और इसके लिए फैकल्टी एवं चिकित्सा मानकों को उस वैश्विक ब्रांड स्तर तक विकसित करने में कुछ समय लगेगा इसलिए लोगों को धैर्य पूर्वक प्रतीक्षा करनी चाहिए।

लोकसभा में प्रश्नकाल में झारखंड के देवघर में स्थापित एम्स में बाह्यरोगी विभाग जल्द खोलने की स्थानीय सांसद निशिकांत दुबे की मांग पर केन्द्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने उक्त स्पष्टीकरण दिया। श्री नड्डा ने कहा कि ये मांग अक्सर विभिन्न सांसदों द्वारा की जाती है कि एम्स में अमुक सुविधा जल्दी खोल दी जाये। उन्होंने कहा कि पहले तो वह बताना चाहेंगे कि एम्स खोलने का मकसद क्या है। उन्होंने कहा, अखिल भारतीय

आयुर्विज्ञान संस्थान के बारे में हमारा दृष्टिकोण है कि देश के हर कोने से लोगों को अपने इलाज के लिए दिल्ली न आना पड़े। जिस तरह से एम्स है दिल्ली में सेवा दी जाती है, एम्स को उसी ब्रांड नाम के साथ उसी स्तर की सेवा देनी चाहिए। लेकिन इसके लिए समय लगता है। दिल्ली का एम्स1950 के दशक में बना लेकिन उसका ब्रांड बनने में 1970 का दशक लगा। इसलिए देश के विभिन्न स्थानों पर जो एम्स बने हैं, उनमें फैकल्टी (शिक्षक) एवं चिकित्सा मानक दिल्ली के एम्स के स्तर के विकसित करने में समय लगेगा। यह काम धीरे धीरे होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तृतीयक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के साथ देश के हर क्षेत्र में 17 से अधिक एम्स खोलने का प्रयास किया है जिनमें से अनेक एम्स काम करने लगे हैं। देश में 1960-70 के दशक में, हमारे सबसे अच्छे डॉक्टर हुआ करते थे, वे कहते हैं कि हमारे पास देश में विश्व स्तरीय सुविधाएं नहीं है जो हम बाहर जा रहे हैं और आज प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 22 विश्व स्तरीय संस्थान बनाए हैं। हमारे पास विश्व का सर्वश्रेष्ठ हार्डवेयर आ गया है। अब सॉफ्टवेयर की जरूरत है जो निश्चित रूप में हमें मिलेगा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम के ए. राजा ने प्रधानमंत्री द्वारा कई वर्ष पूर्व मदुरै में एम्स बनाने की घोषणा का उल्लेख करते हुए जब पूछा कि दो चुनाव हो गये हैं लेकिन इस एम्स की स्थापना के लिए एक पत्थर तक नहीं लगा है, इस पर श्री नड्डा ने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगे कि मदुरै एम्स की स्थापना एवं निर्माण का काम जल्द शुरू हो।

शिक्षा को समवर्ती सूची से हटाने के लिए राज्यसभा में निजी संकल्प पेश

एजेंसी

नयी दिल्ली । शिक्षा को समवर्ती सूची से हटाकर संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत राज्यों का विषय बनाने को लेकर पेश निजी संकल्प को लेकर शुक्रवार को राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर विवाद हुआ।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के मोहम्मद अब्दुल्ला ने निजी संकल्प पेश करके यह मांग की। इस संकल्प में मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट तथा इसे कराने वाली एजेन्सी राष्ट्रीय परीक्षा एजेन्सी (एनटीए)को समाप्त करने की भी मांग की गयी।

शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि नीट परीक्षा से संबंधित विषय सरकार के संज्ञान में है और उच्चतम न्यायालय ने इस बारे में आदेश भी दिया है। न्यायालय ने इस संबंध में एक समिति का गठन किया है। यह मामला न्यायालय के विचाराधीन है,इसलिए इस सदन को इस संकल्प पर चर्चा नहीं करनी चाहिए। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जॉन ब्रिटास ने इसका विरोध करते हुए कहा कि नीट की परीक्षा न्यायालय के आदेश से शुरू नहीं हुई है बल्कि केन्द्र सरकार ने इसकी

शुरूआत की थी। उन्होंने कहा कि इस संकल्प पर चर्चा न कराने के लिए न्यायालय का बहाना लेना गलत है।

दुमुक के तिरूचि शिवा ने कहा कि जब इस संकल्प पर जवाब दिया जायेगा उस समय विधेयक वापस लेने के लिए आग्रह किया जा सकता है। भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी ने भी कहा कि उच्चतम न्यायालय ने बार-बार इस परीक्षा तथा एनटीए की जरूरत को सही ठहराया है। इसलिए न्यायालय के आदेश और उसकी भावना को देखते हुए इस संकल्प पर चर्चा नहीं की जानी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा , कोई भी सदन या सदस्यों के अधिकार को नहीं रोक रहा है, केवल मामला इतना है कि उच्चतम न्यायालय ने फैसला दिया है इसलिए हम इस विषय पर चर्चा नहीं करना चाहते।

बाद में उप सभापति हरिवंश ने कहा कि इस संकल्प को पेश करने वाले सदस्य सदन में संकल्प पेश करके संक्षिप्त में अपनी बात रख सकते हैं और फिर सदस्यों द्वारा चर्चा में हिस्सा लेने के बाद विधेयक को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

जीवन और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी हटाए सरकार

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने शुक्रवार को सरकार से जीवन और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी हटाने की मांग की। लोकसभा में प्रश्नकाल के तुरंत बाद बंद्योपाध्याय ने यह मुद्दा उठाया और कहा कि बीमा प्रीमियम पर कर लगाना जनविरोधी है। उन्होंने कहा कि सरकार को इसे वापस लेना चाहिए और विपक्षी आईएनडीआई गठबंधन की पार्टियों के सदस्यों ने इस मांग का समर्थन किया। बंद्योपाध्याय ने कहा, जीवन बीमा प्रीमियम और चिकित्सा बीमा पर लगाए गए 18 प्रतिशत जीएसटी को वापस लिया जाना चाहिए। यह जीएसटी जनविरोधी है, यह भारत के लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।

एयर इंडिया ने इस्राइल के लिए उड़ान सेवाएं रोकीं, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली। हमास के शीर्ष नेता इस्माइल हानिया की ईरान में हत्या के बाद से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। ईरान ने हानिया की मौत का बदला लेने के लिए इस्राइल पर हमले की धमकी दी है। इस्राइल हाई अलर्ट पर है। ऐसे हालात को देखते हुए भारतीय एयरलाइंस कंपनी एयर इंडिया ने भारत और इस्राइल की राजधानी तेल अवीव के बीच संचालित होने वाली उड़ान सेवाओं को रोकने का फैसला किया है।

8 अगस्त तक एयर इंडिया ने बर्खास्त की सेवाएं

एयर इंडिया ने एक बयान जारी कर बताया कि पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए हमने तेल अवीव के लिए प्रस्तावित संचालन को तुरंत प्रभाव से रोकने का फैसला किया है। तेल अवीव से यहां आने वाली और यहां से तेल अवीव जाने वाली विमानन सेवाएं फिलहाल 8 अगस्त 2024 तक रोकी गई हैं। हम लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि इस अवधि के दौरान जिन यात्रियों ने अपने टिकट बुक किए हुए हैं, उन्हें दोबारा टिकट बुक कराने पर एक बार छूट और कैंसिलेशन चार्ज से राहत दी जाएगी। अपने यात्रियों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। अधिक जानकारी के लिए हमें 011-69329333 / 011-69329999 कॉल कर सकते हैं। गौरतलब है कि बुधवार को ईरान में हमास के शीर्ष नेता इस्माइल हानिया की हत्या हो गई थी। हमास ने इसका आरोप इस्राइल पर लगाया। वहीं ईरान ने भी इस्राइल को हमले की धमकी दी। इसके जवाब में इस्राइल ने भी ईरान को कड़ा जवाब देने की बात कही है। इस्माइल हानिया की मौत से एक दिन पहले ही लेबनान के बेरूत में भी इस्राइल के हमले में हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडर की मौत हो गई थी। जिस पर हिजबुल्ला ने भी इस्राइल को बदला लेने की धमकी दी है। हिजबुल्ला ने तो इस्राइल पर रॉकेट से हमले शुरू भी कर दिए हैं। इस्राइल हमास युद्ध की वजह से पहले से ही पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है, लेकिन अब ताजा घटनाक्रम से तनाव चरम पर पहुंच गया है और आशंका जताई जा रही है कि इस्राइल हमास युद्ध अब पूरे पश्चिम एशिया में फैल सकता है।

सक्षम संस्था ग्वालियर द्वारा नेत्रदान पखवाड़े का आयोजन

ग्वालियर । नेत्रदान पखवाड़े के अंतर्गत दिनाँक 4 सितंबर को विभिन्न क्षेत्रों की स्टाफ नर्सों को अंधत्व के कारणों एवं नेत्रदान के बारे जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सक्षम संस्था के अध्यक्ष डॉ.सुनील बुचके, कार्यक्रम संयोजक पूर्व सेना अधिकारी श्री मनोज पांडे, मुख्य कार्यक्रम संयोजक स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिता श्रीवास्तव,अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ.राजकुमार साहू, हेल्प एज संस्था के श्री वेणु गोपाल, श्री सिद्धार्थ सोनी, राहुल श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। अध्यक्ष डॉ सुनील बुचके जी ने अपने संबोधन में नेत्रदान पखवाड़े का महत्व और समाज में जागरूकता की आवश्यकता के संबंध में बताया। सभी पेरामेडिकल नर्सिंग स्टाफ का क्या योगदान हो सकता है इस पर चर्चा की। किसी भी व्यक्ति की आंखों का दान उसके परिवार की सहमति से ही हो सकता है एं यह भी बताया की किस प्रकार से आँखों को सुरक्षित रखना है एक व्यक्ति के नेत्रदान से चार लोगों को फायदा हो सकता हैं।कॉर्निया अंधत्व निवारण में किस तरह से हम सभी को आगे आना चाहिए इस विषय पर अपने उद्बोधन द्वारा प्रकाश डाला राष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार, राज्य सरकार एवं समाजसेवी संस्थाओं के माध्यम से इस विषय में क्या-क्या प्रयास किये जा रहे हैं इन विषयों पर भी अपने उद्बोधन में बताया।कार्यक्रम के अंत में श्री मनोज पांडे द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

जेएएच के आईसीयू में लगी आग की जाँच के लिए पाँच सदस्यीय समिति गठित

पाँच दिन में मांगा जाँच प्रतिवेदन

ग्वालियर -/- जयारोग्य चिकित्सालय स्थित ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू के एयर कंडीशनर में बीते रोज शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग संबंधी घटना की जाँच के लिये पाँच सदस्यीय जाँच समिति गठित की गई है। इस समिति में एसडीएम लश्कर व सीएसपी इंदरगंज सहित पाँच सदस्य शामिल किए गए हैं। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर के एस धाकड़ द्वारा गठित इस समिति से पाँच दिन में जाँच प्रतिवेदन माँगा गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार पाँच सदस्यीय जाँच समिति में गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष न्यूरो सर्जरी विभाग . अविनाश शर्मा, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष मेडीसन संजय धवले, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष निश्चेतना विभाग सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल नीलिमा टण्डन, एसडीएम लश्कर विनोद सिंह एवं सीएसपी इंदरगंज श्री अशोक सिंह जादौन को शामिल किया गया है। तकनीकी कारणों की जाँच के लिये दो सदस्यीय समिति गठित जयारोग्य चिकित्सालय स्थित ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू के एयर कंडीशनर में लगी आग के तकनीकी कारणों का पता लगाने के लिये जीआर मेडीकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. आर के एस धाकड़ ने दो सदस्यीय समिति गठित की है। इस समिति से भी पाँच दिवस की समय-सीमा में जाँच प्रतिवेदन देने के लिये कहा गया है। समिति में उप आयुक्त नगर निगम अतिबल सिंह व कार्यपालन यंत्री विद्युत यांत्रिकी एस पी शर्मा शामिल किए गए हैं।

केन्द्रीय रेलमंत्री वैष्णव भी प्रभावित हुये आशीष अग्रवाल की भाषा शैली पर

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा के मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने अपनी स्पष्ट वादिता, बेहतर कार्य क्षमता, शालीन वाक पटुता

और पार्टी नेताओं के साथ बेहतर समन्वय करके अपनी अलग ही पहचान बनाई है। उनकी हिंदी, संस्कृत व अंग्रेजी में बोलने की कला सबको प्रभावित करती है।विगत दिवस भोपाल में केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व्हीडी शर्मा के साथ वंदे भारत स्लीपर ट्रेन व अन्य सुविधाओं पर वीडियो कान्फ्रेंसिंग कर रहे थे तब भाजपा मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल की बेहतर भाषा शैली, शब्दों के चयन व प्रस्तुतिकरण से केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बेहद प्रभावित हुये। उन्होंने व्हीसी में भी मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल की जबरदस्त तारीफ की और कहा कि आशीष भाई मैं आपकी शुद्ध भाषा और संस्कृत शब्दों के प्रस्तुतिकरण से बेहद प्रभावित रहता हूं। केन्द्रीय रेल मंत्री श्री वैष्णव ने उनके उज्जवल भविष्य की भी कामना की।

करणी सेना की किसान शक्ति के राष्ट्रीय प्रभारी बने भिवानी के दीपक बामल

किसान हित की आवाज को बुलंद करने में नही छोड़ेंगे कोई कसर राष्ट्रीय प्रभारी दीपक बामल

भिवानी, ।समाज के विभिन्न वर्गों की आवाज बुलंद करने में अपनी अहम भूमिका रखने वाली करणी सेना की राष्ट्रीय स्तरीय मीटिंग सोहना में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल अम्मू ने की। इस मीटिंग में देश भर के 16 राज्यों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। जिसमें स्थानीय फ्रैंड्स कॉलोनी निवासी करणी सेना युवा शक्ति के महामंत्री दीपक बामल ने भी हिस्सा लिया। बैठक के दौरान करणी सेना की विभिन्न शक्तियों के प्रभारी नियुक्त किए गए। इसके तहत भिवानी निवासी दीपक बामल को किसान शक्ति के राष्ट्रीय प्रभारी की जिम्मेवारी सौंपी गई। भिवानी पहुंचने पर करणी सेना के जिला पदाधिकारियों द्वारा किसान शक्ति के नवनियुक्त राष्ट्रीय प्रभारी दीपक बामल का अभिनंदन किया गया। इस मौके पर दीपक बामल ने बताया कि करणी सेना द्वारा उन्हे पूर्व में महाराष्ट्र राज्य का प्रभारी नियुक्त किया गया था। जिस जिम्मेवारी को भी उन्होंने पूरी निष्ठा से निभाया था तथा सेना के प्रति उनकी निष्ठा को देखते हुए उन्हे अब नई जिम्मेवारी सौंपी गई है। जिसका भी वे पूरी निष्ठा एवं मेहनत से निर्वहन करेंगे तथा किसान हित में कार्य करेंगे। दीपक बामल ने कहा कि अब उनका उद्देश्य किसानों के हित की आवाज को बुलंद करना रहेगा, ताकि किसानों के भविष्य से हो रहे शोषण को खत्म किया जा सकें। उन्होंने कहा कि वे एक विशेष अभियान चला किसानों की विभिन्न समस्याएं जानेंगे तथा करणी सेना के शीर्ष नेतृत्व के साथ उन समस्याओं का समाधान करवाने का काम करेंगे। गौरतलब होगा कि दीपक बामल पिछले 8 वर्षों से करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पाल अम्मू के निजी सचिव के तौर पर कार्य कर रहे है एवं देश भर में भ्रमण कर करणी सेना के विस्तार का कार्य कर रहे है।

करणी सेना किसान शक्ति के नवनियुक्त राष्ट्रीय प्रभारी दीपक बामल को बधाई देते अन्य पदाधिकारी।

जिला पंचायत सीईओ श्री विवेक कुमार आदिवासी बहुल बस्तियों में पहुँचे

पीएम जनमन अभियान के तहत हो रहे काम की जानी जमीनी हकीकत

ग्वालियर प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत चयनित आदर्श ग्राम जौरासी, ग्राम पंचायत घरसौदी एवं ग्राम पंचायत चौनौर के ग्राम पथरियापुरा में चल रहे विकास कार्यों का जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार ने बुधवार को जायजा लिया। उन्होंने यहाँ की बस्तियों में खाद्यान्न पर्ची, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड व आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति की वस्तुस्थिति जानी। साथ ही सहरिया जनजाति परिवारों के लोगों से चर्चा कर पेयजल, स्वास्थ्य सेवायें व बच्चों की पढ़ाई सहित उनकी कठिनाईयां व समस्यायें सुनीं। जिला पंचायत सीईओ विवेक कुमार ने इस दौरान पीएम जनमन अभियान के समस्त घटकों के सर्वे का सत्यापन किया। उन्होंने प्राथमिक विद्यालय घरसौदी में छात्रों की उपस्थिति बहुत कम होने एवं विद्यालय में साफ सफाई नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की और इसमें सुधार लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए । उन्होंने स्थानीय निवासियों की आँखों की जांच के लिए शासकीय अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश भी दिए। चौनौर से जुड़े ग्राम पथरियापुरा के भ्रमण के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने जनमन आवास के हितग्राहियों से चर्चा की। साथ ही जनमन आवासों का निरीक्षण किया । संबंधित हितग्राहियों द्वारा बताया गया कि ठेकेदार के द्वारा पैसा प्राप्त कर लिया है परंतु आवास कार्य पूर्ण नहीं कराए गए हैं। जिला पंचायत सीईओ ने भितरवार के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश दिए कि संबंधित ठेकेदार के माध्यम से समय सीमा में आवास पूर्ण कराए जाएँ। यदि ठेकेदार की लापरवाही सामने आए तो उसके खिलाफ कार्रवाई करें।भ्रमण के दौरान एसडीम डबरा दिव्यांशु चौधरी व एसडीएम भितरवार डी एन सिंह तथा जनपद पंचायत डबरा एवं भितरवार के सीईओ, बीएमओ व अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शनः भाजपा सरकार के खिलाफ की जमकर नारेबाजी, प्रदेश महासचिव ने कहा- सरकार हर मुद्दे पर विफल

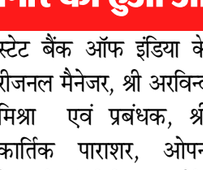

टीकमगढ़।टीकमगढ़ में किसानों की समस्याओं को लेकर बुधवार को कांग्रेस पार्टी ने प्रदर्शन किया। प्रदेश महासचिव किरण अहिरवार ने जतारा में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो वृहद स्तर पर आंदोलन करेंगे। कांग्रेस प्रदेश महासचिव ने बताया कि आज प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर जिला मुख्यालय सहित सभी ब्लॉक मुख्यालय पर भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार भ्रष्टाचार और बिगड़ती कानून व्यवस्था पर लगाम नहीं लगा पा रही है।प्रदेश में महिलाओं, बालिकाओं के साथ दुराचार, अजा, अजजा, अल्पसंख्यक वर्गों पर अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पूरे प्रदेश में त्राहि-त्राहि की स्थिति बनी हुई है। जिले में भारी वर्षा, खाद बीज की कमी से सोयाबीन, मूगांफली, उड़द, धान और अन्य दलहन फसलें खराब हो गई है।किसान आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा है। सरकार उनकी फसलों को 10 वर्ष पुराने भाव में आज भी खरीद रही है।

बैंकिंग का लाभ प्राप्त करने में वित्तीय अनुशासन आवश्यक : अरविन्द मिश्रा, रीजनल मैनेजर, SBI

विश्वकर्मा प्रदर्शनी सह व्यापार मेले में विश्वकर्मा जनों के लिए सेमिनार का हुआ आयोजन

ग्वालियर, 4 सितम्बर । MSME विकास कार्यालय, इंदौर के द्वारा म प्र शासन एवं MPCCI के सहयोग से ÷चेम्बर भवन÷ में दिनांक 03 से 05 सितम्बर, 2024 तक आयोजित विश्वकर्मा प्रदर्शनी सह व्यापार मेले के दूसरे दिन विश्वकर्माओं को अपने व्यवसाय को बड़ाने के लिए सहायक विभिन्न शासकीय विभागों की योजनाओं एवं प्रक्रियाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से सेमिनार सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें स्टेट बैक ऑफ इंडिया, सेंटल बैंक ऑफ इंडिया, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल मार्केट, MSME मंत्रालय एवं विश्वकर्मा योजना के कॉमन फेसिलिटी सेंटर के वरिठ अधिकारी उपस्थित थे ।सेमिनार में उद्घाटन भाषण देते हुए एमएसएमई विकास कार्यालय के संयुक्त निदेशक, श्री राजीव एस ने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि व्यवसायियों की हर कठिनाई के निदान के लिए कोई न कोई योजना चल रही होती है किन्तु उसकी जानकारी के अभाव में व्यवसायी परेशान होता है । सेमिनार का उद्घाटन करते हुए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के रीजनल मैनेजर, श्री अरविन्द मिश्रा ने कहा कि भारत सरकार की सभी योजनाओं में बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है । उन्होंने सभी व्यवसाईयों से अनुरोध किया कि बैंकिंग में वित्तीय अनुशासन के पालन का बहुत महत्व होता है, यदि आप बैंकिंग में वित्तीय अनुशासन कायम रखेंगे अर्थात डिफाल्टर इत्यादि नहीं रहेंगे तो आप बैंकिंग से बगैर कठिनाई के लाभ प्राप्त कर सकते हैं । उन्होंने प्रतिभागियों से अनुरोध किया कि वे सेमिनार में वक्ताओं के उद्बोधन को ध्यान से सुने और यदि कोई शंका है, तब उस पर सवाल भी करें ।

सेमिनार के उद्घाटन सत्र में चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष, डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी सचिव-श्री दीपक अग्रवाल, एमएसएमई विकास कार्यालय, इंदौर सहायक निदेशक-श्री राजकुमार मोहनानी एवं श्री आई. तिर्की ने भी संबोधित किया ।सेमिनार के तकनीकी सत्र में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के रीजनल मैनेजर, श्री अरविन्द मिश्रा एवं प्रबंधक, श्री कार्तिक पाराशर, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल मार्केट के श्री प्रफुल्ल राजपूत, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक, श्री प्रदीप कुमार, श्री संजीव कुमार, सीएससी के प्रतिनिधि श्री अभिनन्दन, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की शिवांगी मिश्रा एवं MSME विकास कार्यालय के सहायक निदेशक, श्री नीलेश त्रिवेदी के द्वारा अपने विभागों की योजनाओं एवं प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी प्रदान की एवं प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर प्रदान किए । बैंकर्स एवं यूपीआई से संबंधित एजेंसियों के द्वारा प्रदर्शनी के सभी 82 स्टॉलों के प्रतिभागियों को बैंकिंग एवं डिजिटल ट्रांजक्शन के लिए स्कैनर तैयार करवाकर दिए गए तथा उसकी प्रक्रिया एवं परिचालन विधि की विस्तार से जानकारी दी गई ।प्रदर्शनी के दूसरे दिन ग्वालियर शहर के आम नागरिकों एवं विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में प्रदर्शनी का अवलोकन किया । आज, दिनांक 05 सितम्बर, 2024 , गुरूवार को प्रदर्शनी का समापन

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478